WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

राजपाल यादव ने 3 महीने जेल में रहने पर तोड़ी चुप्पी

वर्षः 01 अंक : 297 | लखनऊ, शनिवार, 17 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

निरंतर बढ़ रही कोरोना को मात देने वालों की संख्या, सक्रिय मामले घटे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कोरोना की चपेट में आये लोगों की जांच में तेजी एवं समुचित उपचार से इस बीमारी को मात देने वालों की संख्या निरंतर बढ़ रही है जिससे अब तक के संक्रमण के 73.70 लाख मामलों की तुलना में सक्रिय मामले घटकर आठ लाख हो गये हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 70,348 कोरोना संक्रमितों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ, जिन्हें विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दे दी गयी। देश में अब तक 64,53,789 मरीज कोरोनामुक्त हो चुके हैं। इसी अवधि में 63,371 लोगों के

कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि होने के बाद संक्रमण का आंकड़ा 73,70,478 हो गया है। कोरोना संक्रमण के नये मामलों में कमी आने के कारण सक्रिय मामले 7862 घटकर 8,04,528 हो गये। कोरोना संक्रमण के मामले में भारत दुनियाभर में अमेरिका के बाद दूसरे क्रम पर है। अमेरिका में संक्रमितों की कुल संख्या 79,79,448 है और इस हिसाब से भारत अब केवल 6.08 लाख ही पीछे हैं। वहीं मृतकों की संख्या के लिहाज से यह अमेरिका और ब्राजील के बाद तीसरे स्थान पर है। अमेरिका और ब्राजील में क्रमशः 2.17 लाख और 1.52 लाख से अधिक कोरोना की महामारी में कालकवलित हो चुके हैं जबकि भारत में पिछले 24 घंटों के दौरान 895 और संक्रमितों की मृत्यु के साथ इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 1,12,161 हो गयी है। देश में अभी सक्रिय मामलों का प्रतिशत 10.92 और रोगमुक्त होने वालों की दर 87.56 प्रतिशत है जबकि मृत्यु दर 1.52 फीसदी रह गयी है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 3825 कम होकर 1,92,936 रह गये हैं जबकि 337 की मौत होने से मृतकों की संख्या 41,196 हो गयी है। इस दौरान 13,714 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 13,30,483 हो गयी। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 449 की कमी से सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 1,13,557 हो गई हैं।

बिहार चुनावः 23 अक्तूबर से पीएम मोदी संभालेंगे प्रचार की कमान

पटना, एजेंसी। बिहार में चुनावी हलचल तेज हैं। 28 अक्तूबर को राज्य में पहले चरण के लिए मतदान होगा। बिहार में जदयू के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन चुनाव लड़ रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 अक्तूबर से प्रचार की कमान संभालेंगे। उनकी जनसभाओं को लेकर कार्यक्रम तय कर दिया गया है। प्रधानमंत्री राज्य में 12 रैलियां को संबोधित करेंगे। बिहार में प्रधानमंत्री मोदी की जितनी रैलियां होंगी उसमें सहयोगी दल के सभी नेता मौजूद रहेंगे। खास बात है कि हर मंच पर जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री हर रोज तीन रैलियों को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 23 अक्तूबर को पहले सासाराम में, दूसरी

गया और तीसरी रैली भागलपुर में करेंगे। 28 अक्तूबर को वे दरभंगा में पहली, मुजफ्फरपुर में दूसरी और पटना में तीसरी रैली को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री एक नवंबर को फिर बिहार आएंगे। उनकी पहली रैली छपरा, दूसरी पूर्वी चंपारण और तीसरी समस्तीपुर में होगी। इसके बाद तीन नवंबर को उनकी पहली रैली चंपारण दूसरी सहरसा और तीसरी अररिया में होगी। यह जानकारी शुक्रवार को बिहार चुनाव के प्रभारी देवेंद्र फडणवीस ने राजधानी पटना में आयोजित की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। इससे पहले एनडीए ने चुनाव से पहले अपना रिपोर्ट कार्ड जारी किया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिहार भाजपा के चुनाव प्रभारी देवेंद्र फडणवीस, रविशंकर प्रसाद, जदयू की तरफ से संजय झा एवं अन्य नेता मौजूद थे। जदयू नेता संजय झा ने कहा कि इस प्रदेश में हमेशा से जाति के नाम पर वोट मांगा गया, लेकिन नीतीश कुमार ने इसे बदला है। अब विकास के मुद्दे पर वोट की अपील की जाती है।

सीपीसीबी ने चेताया

दिल्ली में बढ़ेगा प्रदूषण, सितंबर से मौसम की स्थिति बेहद प्रतिकूल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने शुक्रवार को कहा कि इस साल सितंबर में दिल्ली में मौसम संबंधी स्थिति पिछले साल सितंबर की तुलना में प्रदूषकों के फैलाव के लिए बेहद प्रतिकूल है। बोर्ड ने कहा कि यह प्रदूषण की उच्च दर का संकेत है। सीपीसीबी के सदस्य सचिव प्रशांत गार्गव ने कहा कि एक सितंबर से 14 अक्तूबर के बीच पीएम10 की सांद्रता पिछले साल इसी अवधि की तुलना में अधिक है।प्रशांत गार्गव ने कहा कि इस संबंध में किया गया एक विश्लेषण बताता है कि साल 2019 में एक सितंबर से 14 अक्तूबर के बीच सात दिन बरसात हुई, जिसमें संचयी बारिश 121 मिलीमीटर हुई। जबकि इस साल इसी अवधि में 21 मिलीमीटर संचयी बरसात के साथ केवल तीन दिन बारिश हुई। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में इस वर्ष सितंबर और अक्तूबर में मौसम की स्थिति बेहद प्रतिकूल रही है। सीपीसीबी सचिव ने कहा कि इस साल सितंबर और अक्तूबर में औसत वेंटिलेशन इंडेक्स 1334 वर्ग मीटर प्रति सेकेंड रही है। यह पिछले साल इसी अवधि में 1850 वर्ग मीटर प्रति सेकेंड रही थी। बता दें कि वेंटिलेशन इंडेक्स वह गति है जिसपर प्रदूषक फैल सकते हैं। 10 किमी प्रति घंटे से कम हवा की रफ्तार पर 6000 वर्ग मीटर प्रति सेकेंड से कम का वेंटिलेशन इंडेक्स प्रदूषकों के फैलाव के प्रतिकूल रहता है।

बिहार के पंचायती राज मंत्री कपिलदेव कामत का निधन

पटना, एजेंसी। बिहार में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता एवं पंचायती राज मंत्री कपिलदेव कामत का आज तड़के निधन हो गया। वह 69 वर्ष के थे। पारिवारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि कोरोना से संक्रमित होने के बाद करीब एक सप्ताह पहले उन्हें पटना के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया था। एक दिन के अंतराल पर उनका डायलिसिस किया जा रहा था। अचानक स्थिति नाजुक होने के बाद उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ और अंततः उनका निधन हो गया। मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के काफी करीबी माने जाने वाले श्री कामत मधुबनी जिले के बाबूबरही से विधायक थे। जदयू ने श्री कामत की खराब तबीयत को ध्यान में रखते हुए इस बार के विधानसभा चुनाव में उनकी बहु मीना कामत को बाबूबरही से अपना उम्मीदवार बनाया है।

हाथरस केस की सीबीआई जांच का छठा दिन

विक्टिम का भाई बोला- अब यूपी में नहीं रहना, केस दिल्ली ट्रांसफर करें

एक आरोपी के घर से लाल रंग के दाग लगे कपड़े मिले

नयी दिल्ली, एजेंसी। हाथरस के कथित गैंगरेप और हत्या मामले में सीबीआई जांच जारी है। आज इसका छठवां दिन है। जांच टीम आज अलीगढ़ जेल जाकर आरोपियों से पूछताछ कर सकती है। दूसरी तरफ, विक्टिम के भाई ने शुक्रवार को कहा- हमारा परिवार अब बूलगढ़ी गांव (यूपी) में नहीं रहना चाहता। केस सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया जाए तो बेहतर होगा। हम भी वहां जाकर किराए के मकान में रह लेंगे। हालांकि, परिवार ने प्रशासन की तरफ से मुहैया कराई गई सुरक्षा पर संतोष जाहिर किया। गुरुवार को सीबीआई टीम चंदपा कोतवाली और इसके बाद बुलगढ़ी गांव पहुंची। यहां आरोपियों के परिजनों से करीब 4 घंटे पूछताछ की। फोरेंसिक टीम

ने मुख्य आरोपी संदीप के कमरे की तलाशी ली। उसका मोबाइल और मार्कशीट भी जब्त किए। इसके बाद बाकी आरोपियों के घर की भी तलाशी ली। इस दौरान एक आरोपी लवकुश के घर से लाल रंग के दाग मिले कुछ कपड़े मिले हैं। टीम इन्हें साथ ले गई। परिजन इसे पेंट के दाग बता रहे हैं। मुख्य आरोपी संदीप के पिता ने अपने बेटे और अन्य तीनों आरोपियों को बेकसूर बताया। कहा- हमें रंजिश के तहत उन्हें फंसाया जा रहा है। सीबीआई जांच से सबकुछ साफ हो जाएगा। हम नार्को टेस्ट के लिए तैयार हैं। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में हाथरस केस की सुनवाई हुई थी। इस दौरान पीड़ित पक्ष की वकील सीमा कुशवाहा ने केस को दिल्ली ट्रांसफर करने की मांग की थी। सीमा ने कहा था कि जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में होना चाहिए। हाथरस जिले के चंदपा इलाके के बुलगढ़ी गांव में 14 सितंबर को चार लोगों ने 19 साल की दलित लड़की से कथित गैंगरेप किया था। आरोपियों ने युवती की रीढ़ की हड्डी तोड़ दी और उसकी जीभ भी काट दी थी। दिल्ली में इलाज के दौरान 29 सितंबर को पीड़ित की मौत हो गई।

राहुल ने कोरोना वायरस को लेकर मोदी पर साधा निशाना

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर हमला जारी रखते हुए शुक्रवार को कोरोना वायरस को लेकर निशाना साधते हुए कहा पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने भी कोरोना का मुकाबला भारत से कहीं बेहतर ढंग से किया है। कोरोना से अर्थव्यवस्था को लगे झटकों को लेकर केंद्र पर हमलावर रहे श्री गांधी ने आज अपने ट्विटर हैंडल पर एक ग्राफिक्स साझा करते हुए तंज कसा कि भाजपा सरकार की एक और ठोस उपलब्धि , पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने भी भारत से बेहतर ढंग से कोविड का प्रबंध किया है। वायनाड से सांसद श्री गांधी ने दो दिन पहले ट्वीट कर प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)के आधार पर बंगलादेश जल्द ही भारत को पछाड़ देगा। इसमें उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकड़ों का हवाला दिया था। सरकार के सूत्रों ने इस पर जबाव देते हुए श्री गांधी के दावों को गलत बताया था।

यूपी में नाबालिग से रेप

बाराबंकी में धान काटने गई 15 साल की दलित लड़की के साथ 5 लोगों ने गैंगरेप किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में धान काटने गई एक 15 साल की दलित लड़की के साथ पांच लोगों ने गैंगरेप किया। शराब पीने के बाद आरोपियों ने लड़की को खेत में दबोच लिया और गैंगरेप किया। पीड़ित चीखने न पाए, इसके लिए आरोपियों ने उसका मुंह और नाक दबाए रखी। इससे लड़की का दम घुट गया और उसकी मौत हो गई। इसका खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हुआ है। लड़की के प्राइवेट पार्ट पर चोट के भी निशान मिले हैं। गैंगरेप की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने धाराएं बढ़ाई हैं। पांचों संदिग्धों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ भी कर रही है, लेकिन अभी तक कोई खास सफलता नहीं मिली। इस घटना के बाद से गांव में तनाव है। गुरुवार शाम पीड़ित का परिवार वालों ने अंतिम संस्कार कर दिया। सतरिख थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली पीड़ित बुधवार शाम धान की कटाई करने के लिए खेत गई थी। काफी देर तक जब वह नहीं लौटी तो परिजन ने

खोजबीन शुरू की। रात में लड़की का शव खेत में अर्धनग्न अवस्था में मिला। उसके हाथ बंधे हुए थे। मौके की परिस्थितियां बता रही थीं कि लड़की के साथ पहले दुष्कर्म, फिर हत्या की गई। वारदात करने वाले भी एक या दो नहीं, बल्कि इससे ज्यादा थे। मौके पर शराब की तीन बोतलें भी मिली हैं। प्रभारी एसपी आरएस गौतम ने बताया कि बुधवार देर शाम थाना सतरिख के गांव में एक लड़की का शव धान के खेत में मिला था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में रेप की पुष्टि होने के बाद एफआईआर में हत्या के साथ दुष्कर्म की धारा बढ़ा दी गई है। जांच के लिए अपर एसपी की अगुआई में टीम का गठन किया गया है।

अब कोर्ट में मथुरा कृष्ण जन्मभूमि विवाद

श्रीकृष्ण विराजमान की याचिका मंजूर

शाही मस्जिद की जमीन समेत 13.37 एकड़ इलाके पर दावा, सुनवाई 18 नवंबर को

नयी दिल्ली, एजेंसी। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद पर श्रीकृष्ण विराजमान की याचिका शुक्रवार को कोर्ट ने मंजूर कर ली। 12 अक्टूबर को श्रीकृष्ण विराजमान की ओर से जिला अदालत में केस दायर किया गया था। याचिका में परिसर में अतिक्रमण कर शाही ईदगाह मस्जिद बनाने का आरोप लगाया गया है। शाही मस्जिद की जमीन समेत 13.37 एकड़ इलाके पर दावा करते हुए मालिकाना हक मांगा गया है। शुक्रवार को जिला अदालत ने इस मामले में सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड समेत 4 पार्टियों को नोटिस भेजा। अगली सुनवाई 18 नवंबर को होगी। श्रीकृष्ण विराजमान के वकील हरिशंकर जैन ने बताया कि वक्फ बोर्ड के अलावा शाही मस्जिद ईदगाह ट्रस्ट, श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट, श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान को नोटिस जारी किए गए हैं। याचिकाकर्ता रंजना

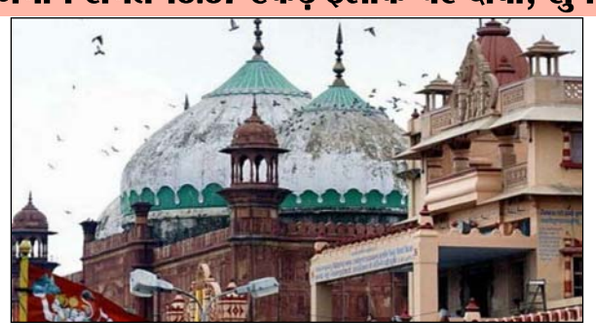

अग्निहोत्री ने कहा कि 25 सितंबर को सिविल जज सीनियर डिवीजन की कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। 30 सितंबर को सिविल जज ने हमारे केस को खारिज कर दिया था। तब कोर्ट ने कहा था कि भक्त होने के नाते अगर हमारा केस मंजूर किया जाता है तो न्यायिक व्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी। इस आदेश के बाद जिला न्यायालय में अपील की। हमने जो ग्राउंड दिए थे, उसके आधार पर जिला कोर्ट ने हमारी अपील मंजूर की है। रंजना अग्निहोत्री ने बताया कि जिस जगह पर शाही ईदगाह मस्जिद खड़ी है, उस जगह कारागार था, जहां भगवान कृष्ण का जन्म हुआ था। यह याचिका श्रीकृष्ण विराजमान, स्थान श्रीकृष्ण जन्मभूमि कटरा केशव देव केवट, रंजना अग्निहोत्री, प्रवेश कुमार, राजेश मणि त्रिपाठी, करुणेश कुमार शुक्ल, शिवाजी सिंह, त्रिपुरारी तिवारी की ओर याचिका दाखिल की गई है। 1951 में श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट बनाकर यह तय किया गया कि वहां दोबारा भव्य मंदिर का निर्माण होगा और ट्रस्ट उसका प्रबंधन करेगा। इसके बाद 1958 में श्रीकृष्ण जन्म स्थान सेवा संघ नाम की संस्था का गठन किया गया था। कानूनी तौर पर इस संस्था को जमीन पर मालिकाना हक हासिल नहीं था, लेकिन इसने ट्रस्ट के लिए तय सारी भूमिकाएं निभानी शुरू कर दीं। इस संस्था ने 1964 में पूरी जमीन पर नियंत्रण के लिए एक सिविल केस दायर किया, लेकिन 1968 में खुद ही मुस्लिम पक्ष के साथ समझौता कर लिया। इसके तहत मुस्लिम पक्ष ने मंदिर के लिए अपने कब्जे की कुछ जगह छोड़ी और उन्हें (मुस्लिम पक्ष को) उसके बदले पास की जगह दे दी गई। श्रीकृष्ण जन्मभूमि व शाही ईदगाह मस्जिद 13.37 एकड़ में बनी हुई है।

शौर्य चक्र विजेता बलविंदर सिंह भिखीविंड की गोली मार कर हत्या

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब में आंतकवाद दौर में आंतकवादियों का बहादुरी से सामना करने वाले शौर्य चक्र विजेता बलविंदर सिंह भिखीविंड की शुक्रवार को तरनतारन के भिखीविंड में स्थित उनके निवास पर कुछ अज्ञात लोगों ने गोली मार कर हत्या कर दी। श्री सिंह की पत्नी जगदीप कौर ने बताया कि सुबह करीब 07:00 बजे हुई कुछ अज्ञात लोग उसके घर में घुसे और बलविंदर सिंह पर गोलियां चलाना शुरू कर दिया जिससे उनकी मौत हो गयी। श्री सिंह के भाई रंजीत सिंह ने दावा किया है कि हमले के पीछे आतंकवादी हो सकते हैं , हालांकि पुलिस ने अभी पक्के तौर पर ऐसा कुछ नहीं कहा है। मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन के अधिकारी आवश्यक जांच कर रहे हैं। आरएमपीआई की जिला कमेटी के सदस्य और कामरेड हरकिशन सिंह सुरजीत के साथी रह चुके कामरेड बलविंदर पंजाब में बहादुरी के साथ आतंकवादियों का मुकाबला करने के लिए कामरेड बलविंदर सिंह भिखीविंड तथा उनके पूरे परिवार को साल 1993 में राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा द्वारा शौर्यचक्र से सम्मानित किया था। उनके साथ उनकी पत्नी जगदीप कौर, भाई रणजीत सिंह और भुपिंदर सिंह को भी शौर्यचक्र और शाल दे कर सम्मानित किया गया था। उनके परिवार के सदस्यों को संदेह है कि उनकी हत्या के पीछे आतंकवादी हो सकते हैं। राज्य में आंतकवाद दौरान श्री बलविंदर सिंह का आंतकवादियों के साथ 13 बार मुकाबला हुआ था। उन्होने तथा उनके परिवार ने बड़ी बहादुरी से आंतकबादियों को परास्त किया था। उनकी बहादुरी को देखते हुए राष्ट्रपति ने उन्हे शौर्यचक्र से सम्मानित किया था। पंजाब सरकार ने हाल ही में श्री सिंह की सुरक्षा हाल ही में वापस ले ली थी। उन्होने फैसले का विरोध किया था क्योंकि उस पर पूर्व में भी हमला किया गया था।

हत्यारे का समर्थन कर रहे भाजपा विधायक

कोई किसी के पिता, मां, भाभी, बहू को मारेगा तो क्रिया की प्रतिक्रिया होगीः सुरेंद्र सिंह

नयी दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बलिया में एसडीएम और सीओ के सामने गोली मारकर युवक की हत्या करने वाला मुख्य आरोपी धीरेंद्र सिंह पुलिस की पकड़ से बाहर है। आरोपी भाजपा विधायक सुरेंद्र सिंह का करीबी है। वारदात को लेकर अब विधायक सुरेंद्र सिंह का विवादास्पद बयान सामने आया है। विधायक ने कहा कि आप लोग जिसे आरोपी बता रहे हैं, उसके पिता को उन्होंने (पीड़ित पक्ष ने) डंडे से मारा था। किसी के पिता, किसी की मां, किसी की भाभी और किसी की बहू को कोई मारेगा तो क्रिया की प्रतिक्रिया होगी ही। धीरेंद्र ने आत्मरक्षा में गोली चलाई है। गुरुवार रात पुलिस ने धीरेंद्र के घर पर छापा मारा, लेकिन कोई नहीं मिला। आरोपी के घर के बाहर खड़ी गाड़ी तोड़ दी गई। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 12 टीमें बनाई गई है। डीआईजी आजमगढ़ गांव में कैंप कर रहे हैं। डीएम श्रीहरि प्रताप ने बताया कि एफआईआर में नामजद मुख्य आरोपी का भाई गिरफ्तार कर लिया गया है। अब तक पांच गिरफ्तार हुए हैं। धीरेंद्र सिंह ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से हत्या की है। सभी आरोपियों का लाइसेंस रद्द किया गया जाएगा। उधर, गांव में पीड़ित परिवार को मुआवजे की मांग को लेकर गांव के लोग धरने पर बैठ गए हैं। मृतक जयप्रकाश पाल के भाई तेज बिहारी पाल ने बताया कि कोटे की दुकान को लेकर दो प्रत्याशी लड़ रहे थे। प्रशासन चुनाव निष्पक्ष कराना चाह रहा था। इसी बीच हार देखकर धीरेंद्र प्रताप के गुट ने पथराव और फायरिंग शुरू कर दिया। आरोपी धीरेंद्र आर्मी से रिटायर्ड है। विधायक के साथ रहता है।

कृषि कानूनों का एमएसपी और मंडी प्रणाली पर असर नहीं पड़ेगाः तोमर

नयी दिल्ली, एजेंसी। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने हाल ही में लाये गये कृषि कानूनों को क्रांतिकारी बताते हुये शुक्रवार को कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और मौजूदा मंडी प्रणाली पर इनका कोई असर नहीं पड़ेगा। श्री तोमर ने यहां इंडिया इंटरनेशनल फूड एंड एग्री सप्ताह का शुभारंभ करते हुये कहा कि केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में लाये गये क्रांतिकारी कृषि कानूनों का देश में एमएसपी और मौजूदा मंडी प्रणाली पर कोई असर नहीं पड़ेगा, बल्कि किसानों को स्वंतत्रता मिलने एवं वैकल्पिक बाजार उपलब्ध होने से अब किसान अपनी उपज मंडी परिसर के बाहर भी, किसी को - कहीं भी - कभी भी उचित दाम पर बेच सकते हैं और अधिक मुनाफा कमा सकेंगे। सीआईआई द्वारा आयोजित एग्रो एंड फूड टेक के 14वें संस्करण के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत सरकार कृषि एवं खाद्य क्षेत्र के निरंतर विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसीलिए अनेक सुधार और पहल किये गये हैं। नये सुधारों के अंतर्गत एक देश-एक बाजार तथा फार्म-गेट अधोसंरचना के माध्यम से आमूलचूल बदलाव आयेगा और किसानों की आय बढ़ेगी। कृषि कानूनों का विरोध कर रहे विपक्षी दलों को निशाने पर लेते हुये उन्होंने कहा कि कतिपय लोग अपने निजी स्वार्थों के कारण भ्रम फैला रहे हैं, गुमराह करने की असफल कोशिश कर रहे हैं। एमएसपी और मंडी प्रणाली जारी रहने के साथ ही नये प्रावधान के तहत संविदा खेती का जो करार होगा, वह केवल किसानों की फसल के लिए ही होगा, जमीन किसानों की अपनी ही रहेगी।

पंजाब-हरियाणा व यूपी में पराली जलाने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के राज्यों में पराली जलाए जाने को रोकने के लिए एक व्यक्ति वाली निगरानी समिति के तौर पर पूर्व न्यायाधीश मदन बी लोकुर की नियुक्ति की है। बता दें कि न्यायाधीश लोकुर शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त न्यायाधीश हैं। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों को उन खेतों की निगरानी में लोकुर समिति की मदद करने का निर्देश दिया जिनमें पराली जलाई जाती है। अदालत ने निर्देश दिया कि पराली जलाने की घटनाओं पर नजर रखने में पैनल की मदद करने के लिए एनसीसी, राष्ट्रीय सेवा योजना और भारत स्काउट्स की तैनाती की जाए। लोकुर समिति पराली जलाए जाने की घटनाओं से संबंधित अपनी रिपोर्ट हर पखवाड़े शीर्ष अदालत को सौंपेगी। वहीं

केंद्र सरकार की तरफ से अदालत में पेश हुए सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने पराली जलाने की घटनाओं पर नजर रखने के लिए न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) लोकुर की अगुवाई में एक सदस्यीय समिति बनाने का विरोध किया। गौरतलब है कि दिल्ली के पड़ोसी राज्यों हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश में किसानों द्वारा पराली जलाए जाने से राजधानी की हवा में प्रदूषण बढ़ जाता है। शुक्रवार को राजधानी में हवा चलने से प्रदूषक तत्वों में छितराव होने से वायु प्रदूषण के स्तर में थोड़ी सी गिरावट आई है। शहर में सुबह दस बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 251 दर्ज किया गया। गुरुवार को औसत एक्यूआई 315 रहा जो 12 फरवरी के बाद से सबसे खराब रहा।

योगी ने कोविड-19 की रोक-थाम के लिए प्रोटोकॉल का कड़ाई से अनुपालन कराने के दिए निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड-19 की रोक-थाम के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए अधिक से अधिक कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग की जाए। उन्होंने कहा कि आर0टी0पी0सी0आर0 पद्धति से की जाने वाली टेस्टिंग की संख्या को 65 हजार प्रतिदिन करते हुए कुल 1.5 लाख से 1.75 लाख टेस्ट प्रतिदिन किये जाएं। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनपद लखनऊ, गोरखपुर, मेरठ, जौनपुर और प्रतापगढ़ में कोरोना की स्थिति की समीक्षा करते हुए रिकवरी दर को बेहतर किया जाए। कोविड चिकित्सालयों की व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीजों को समय से दवाई दी जाए। उन्हें सुपाच्य एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि वरिष्ठ चिकित्सक नियमित राउण्ड लें। उन्होंने निश्चित अन्तराल पर सभी मरीजों का ऑक्सीजन लेविल चेक किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि आवश्यकता पड़ने पर एच0एफ0एन0सी0 का उपयोग किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि धान क्रय केन्द्रों को पूरी क्षमता से संचालित किया जाए। इन केन्द्रों में सोशल डिस्टेन्सिंग का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। किसानों को पराली न जलाने के लिए प्रेरित किया जाए और पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण के विषय में भी जानकारी दी जाए। उन्हें यह बताया जाए कि पराली जलाने से जहां एक ओर प्रदूषण फैलता है, वहीं दूसरी ओर जमीन की उर्वरा शक्ति में भी कमी आती है। उन्होंने कहा कि पराली का प्रयोग कम्पोस्ट खाद बनाने में किया जा सकता है। इससे पराली जलाने के कारण उत्पन्न होने वाले वायु प्रदूषण को रोका जा सकता है और किसानों को अपने खेतों के लिए कम्पोस्ट खाद भी उपलब्ध हो सकेगी। इस अवसर पर मुख्य सचिव आर0के0 तिवारी, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, पुलिस महानिदेशक हितेश सी0 अवस्थी, अपर मुख्य सचिव राजस्व रेणुका कुमार, अपर मुख्य सचिव एम0एस0एम0ई0 एवं सूचना नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद, अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास एवं पंचायतीराज मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एस0पी0 गोयल, अपर मुख्य सचिव महिला कल्याण एवं बाल विकास एस0 राधा चौहान, प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद वीना कुमारी मीना, प्रमुख सचिव पशुपालन भुवनेश कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना संजय प्रसाद, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार, सचिव चिकित्सा शिक्षा अमित गुप्ता, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आगामी त्योहारों को लेकर रेलवे अवैध वेंडरों के विरुद्ध चलायेगा अभियान

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर रेलवे के प्रधान कार्यालय द्वारा जारी निर्देशानुसार अनाधिकृत एवं अवैध वेंडरों के विरुद्ध 15 दिवसीय सघन जांच अभियान को संचालित किया जा रहा है एवं इस आदेश के अनुपालन में मंडल रेल प्रबंधक संजय त्रिपाठी के कुशल एवं दूरदर्शी मार्गदर्शन में मंडल द्वारा इस अभियान को अत्यंत योजनाबद्ध प्रारूप में संचालित करने का प्रावधान किया गया है, इस अभियान के तहत मंडल के समस्त स्टेशनों से होकर प्रतिदिन आवागमन करने वाली गाड़ियों एवं स्टेशनों पर अवैध वेंडरों के विरुद्ध मुख्य टिकट निरीक्षक (स्टेशन) एवं रेलवे सुरक्षा बल द्वारा संयुक्त रूप से इस अभियान को संचालित किया जायेगा, इसके अतिरिक्त आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए एवं यात्री सुविधा , यात्रा के समय कोविड 19 से सुरक्षा हेतु अपनाए जाने वाले भारत सरकार के समस्त निर्देशों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए , अवैध टिकट विक्रेताओं ,दलालों इत्यादि पर नजर रखने तथा सतर्कता हेतु विशेष टीमों का गठन भी किया गया है।

अग्नि पीड़ितो के पास पहुँचे कांग्रसी नेता बाटे कपडे और बर्तन

लखनऊ, संवाददाता। रविवार की रात भीषण आग की चपेट मे आकर तबाह बर्बाद हुए ऐशबाग राम नगर धोबीघाट झोपड़ पटटी के निवासियो की परेशानी को कम करने के लिए कांग्रेसी नेता तौहीद सिददीकी नजमी अग्नि पीड़ितो के लिए राहत सामग्री लेकर बस्ती पहुँचे। कांग्रेस पार्टी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला चेयरमैन तौहीद सिददीकी नजमी ने आग से प्रभावित बस्ती के लोगो के पहनने के लिए कपड़े बर्तन और खाद्य सामग्री भी मुहैया कराई। रविवार की रात मे भीषण आग लगने से राम नगर धोबीघाट की इस बड़ी झोपड़ पटटी की करीब 48 झोपड़िया जल कर खाक हो गई थी आग इतनी भीषण थी कि झोपड़ियो मे रख्खे कई गैस के सिलेन्डर भी फट गए थे। भीषण आग ने यहा झोपड़ियो मे रहने वाले 48 परिवारो को तबाह बर्बाद कर दिया यहां लगी भीषण आग से गरीबो की झोपड़ी मे कुछ भी बच नही पाया। अग्नि पीड़ितो के लिए राहत सामग्री लेकर पहुँचे कांग्रेसी नेता तौहीद सिददीकी नजमी ने आग से प्रभावित लोगो को राहत सामग्री बाटी साथी ही उन्हे आश्वस्त भी किया कि उनसे जितनी भी ममद हो सकेगी वो करेगे। झोपड़ पटटी मे अग्नि पीडितो की सहायता करने पहुँचे तौहीद सिददीकी का कहना था कि मदद की दरकार किसी को भी हो सकती है उन्होने कहा कि अच्छा और सच्चा इन्सान वही होता है जो बिना किसी लाभ की लालच के जरूरतमंदो की मदद के लिए आगे आए। उन्होने कहा कि हर मौके पर राजनिति नही की जाती और न ही गरीबो की मदद करने मे उनहे कोई राजनिति लाभ लेना है उन्होने कहा कि देश का गरीब खुशहाल होगा तभी हमारा देश तरक्की करेगा उन्होने उन लोगो की तरीफकी है जिन लोगो ने आग से तबाह हुए।

यूपी में अपराध बेकाबू, सरकार फेल

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में कानून व्यवस्था पूरी तरह से पटरी से उतरने का आरोप लगाते हुए समाजवादी पार्टी ने कहा है कि यहां आए दिन महिलाओ और बच्चियों के साथ अपराध हो रहे हैं जिसे रोक पाने में भाजपा सरकार पूरी तरह से विफल साबित हो रही है। लोहिया वाहिनी के पूर्व प्रदेश सचिव मो इमरान ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यूपी में जबसे भाजपा की सरकार आयी है न तो विकास के काम हो रहे हैं और न ही राज्य सरकार अपराधों पर लगाम लगा पा रही है। हालत यह है कि आये दिन महिलाओ और बच्चियों के साथ दुष्कर्म की वारदातें हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि यूपी में सत्ता के नशे में चूर खुद भाजपा के नेता अपराधों को अंजाम दे रहे हैं तो आखिर आम जनता का क्या हाल होगा।बलिया में सरेशाम जिस तरह से कल गोलीकांड हुआ है उससे आम जनता का भरोसा अब भाजपा से उठ रहा है। यूपी के हाथरस,बलरामपुर,बाराबंकी में जिस तरह से बालिकाओ के साथ ज्यादती हुई है वह किसी से छिपी नही है सरकार महिलाओ पर हो रहे अपराधों को लेकर संजीदा नही हो पा रही है। लोहिया वाहिनी के पूर्व प्रदेश सचिव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सिर्फबैठकों का ही दौर चल रहा है ये बैठके भी आम जनता को राहत नही पहुंचा पा रही हैं।यूपी में चाहे किसान हो या नौजवान या फिर महिलाये हो सब परेशान हैं। मो इमरान ने कहा कि आम जनता का धीरे धीरे भाजपा सरकार से मोहभंग हो रहा है जिसका फायदा आने वाले चुनाव में सपा को मिलेगा।उन्होंने राज्य सरकार व मुख्यमंत्री से मांग की है कि यूपी में हाथरस, बलरामपुर ,बलिया और बाराबंकी में जो अपराध हुए हैं ।

कानून का राज कहां यहां तो गुंडा पुलिस गठजोड़ का राज कायमः माकपा

लखनऊ, संवाददाता। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी उत्तर प्रदेश राज्य सचिव मंडल ने एक प्रेस बयान में कहा है किउत्तर प्रदेश में कानून का राज क्षत-विक्षत हो रहा है। अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। मुख्यमंत्री का जीरो टोलरेंस गुन्डों के लिए मखौल बनकर रह गया है। बलिया में प्रशासन और पुलिस अधिकारियों के सामने दबंग द्वारा गोली मारकर एक व्यक्ति की हत्या और 7 व्यक्तियों को घायल कर दिया गया, गाजीपुर में ताबड़तोड़ फायरिंग कर पेट्रोल पंप मालिक की हत्या कर उसके असलहों को लूट लिया गया, फर्रुखाबाद में फिरौती के लिए अपहरण की गई बालिका की निर्मम हत्या कर दी गई, बाराबंकी में अनुसूचित जाति की लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार के बाद उसकी हत्या कर दी गई। इसके पहले भी हाथरस बलरामपुर ,आजमगढ़, सोनभद्र, चंदौली, भदोही सहित अनेक जिलों में लड़कियों के साथ बलात्कार और उनकी हत्याएं की गई है।

बलिया गोलीकांड पर बोलीं मायावती-कानून व्यवस्था सुधारने पर ध्यान दे योगी सरकार

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने बलिया की घटना की भर्त्सना करते हुए शुक्रवार को कहा कि योगी सरकार को कानून व्यवस्था की बदतर हालत में सुधारने पर ध्यान देना चाहिये। मायावती ने ट्वीट किया'' यूपी में बलिया की हुई घटना अति-चिन्ताजनक तथा अभी भी महिलाओं व बच्चियों पर आए दिन हो रहे उत्पीड़न आदि से यह स्पष्ट हो जाता है कि यहाँ कानून-व्यवस्था काफी दम तोड़ चुकी है। सरकार इस ओर ध्यान दे तो यह बेहतर होगा। बीएसपी की यह सलाह। गौरतलब है कि गुरूवार को बलिया में पुलिस की मौजूदगी में एक व्यक्ति की गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस सिलसिले में पुलिस प्रशासन के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया था।

एलडीए की दरियादिली पड़ रही भारी, रेजेडेंशियल पर हो रहा कॉमर्शियल का निर्माण

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में एलडीए की दरियादिली अवैध निर्माणों को बढ़ावा दिया है। यही कारण है कि आवासीय जमीन पर व्यापारिक निर्माण के साथ ही सीलिंग के बाद भी निर्माण कार्य दोगनी तेजी से चल रहा है। गोमतीनगर के विवेकखण्ड की भूखण्ड संख्या 2/849 की जमीन आवासीय रूप में आवंटित है। जबकि मकान मालिक द्वारा इस पर अवैध निर्माण धड़ल्ले से कराया जा रहा है। दरअसल, शहर के भीतर निर्माण कार्य के लिए एलडीए की अनुमति लेनी आवश्यक है। आवासीय पर व्यापारिक गतिविधियां करने की मनाही है। बावजूद इसके मकान मालिक अपनी आय बढ़ाने के लिए आवासीय भूमि पर कॉमर्शियल निर्माण करा रहे हैं। इसकी अनुमति न तो एलडीए से ली जाती है न ही नगर निगम से। ऐसा ही कुछ मामला गोमतीनगर विवेकखण्ड में स्टेशन के निकट ही भूखण्ड संख्या 2/849 पर बेसमेंट के साथ ही दो अन्य जगह मकान का स्वरूप बदलकर शटर लगा दिए हैं।

साइबर ठगों द्वारा फेसबुक हैक कर की जा रही है रूपयों की मांग

सेंट जोसेफके एमडी की फेसबुक हैक कर मांग रहे रूपये

लखनऊ, संवाददाता। शहर में बढ़ते साइबर क्राइम के बीच साइबर ठग अब लोगों की फेसबुक हैक कर रहे है। फेसबुक आईडी में जुड़े लोगों से आकस्मिकता दिखाकर एकाउन्ट में पैसे मांग रहे है। ठगी के इस धन्धे से जुड़े साइबर ठग दस हजार से पन्द्रह हजार रूपयों की ही मांग करते है जो लोग आसानी से दे सकते है। संभावना यह भी है कि रूपये ट्रांसफर करते समय डिटेल हैकरों के पास जाने से वे और भी बड़ा चूना पैसे भेजने वाले को लगा सकते है।इसके पूर्व भी इस तरह की ठगी के कई मामले सामने आ चुके है परन्तु कुछ कार्यवाही नही हुयी। ताजा मामला लखनऊ के प्रतिष्ठित सेंट जोसेफ समूह के एमडी अनिल अग्रवाल का है। जिनकी फेसबुक आईडी हैकरों ने हैक कर ली और आईडी से जुड़े लोगों से दस से पन्द्रह हजार रूपये मांगे जा रहे है। लोग उनसे फोन कर पूछ रहे है कि अचानक हुआ क्या जो रूपये मांगे जा रहे है। फिलहाल पूरे मामले से थानाध्यक्ष तालकटोरा और साइबर सेल को अवगत करा दिया गया है। जहां आवश्यक कार्यवाही का भरोसा दिया गा है। इस घटना पर थानाध्यक्ष तालकटोरा धनन्जय सिंह ने कहा कि जागरूकता और सतर्कता ही साइबर क्राइम से बचने का रास्ता है। इस तरह की घटना होने पर अपने सभी संपर्कों को सूचित कर दे। फेसबुक और व्हाट्सएप पर भी इस आशय की सूचना डाल देनी चाहिये ताकि परिजन और मित्र ठगों के झांसे में न आ पाये।

योगी ने शारदीय नवरात्रि के अवसर पर प्रदेशवासियों को दीं शुभकामनाएं

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्रि के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। आज यहां जारी एक संदेश में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में माँ दुर्गा की उपासना का अत्यधिक महत्व है। माँ दुर्गा शक्ति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनके अनन्त रूप हैं लेकिन प्रधान नौ रूपों में नवदुर्गा बनकर आदिशक्ति सम्पूर्ण पृथ्वीलोक पर अपनी करुणा की वर्षा करती हैं। माँ भगवती भक्तों और साधकों में अपनी ही शक्ति का संचार करते हुए, करुणा एवं परोपकार के द्वारा संसार के प्राणियों का हित करती हैं।

बलिया हत्याकांड पर अखिलेश का तंज

अब सरकार अपने लोगों की गाड़ी पलटाती है या नहीं

लखनऊ, संवाददाता। बसपा सुप्रीमो मायावती के बाद सपा मुखियां अखिलेश यादव ने बलिया हत्याकांड को लेकर योगी सरकार पर तंज कसा है। अखिलेश यादव ने इस बारे में ट्वीट कर लिख कि बलिया में सत्ताधारी भाजपा के एक नेता के, एसडीएम और सीओ के सामने खुलेआम, एक युवक की हत्या कर फरार हो जाने से उप्र में कानून व्यवस्था का सच सामने आ गया है। अब देखें क्या एनकाउंटरवाली सरकार अपने लोगों की गाड़ी भी पलटाती है या नहीं। इससे पहले मायावती ने ट्वीट कर लिखा कि यूपी में बलिया की हुई घटना अति-चिन्ताजनक तथा अभी भी महिलाओं व बच्चियों पर आए दिन हो रहे उत्पीड़न आदि से यह स्पष्ट हो जाता है कि यहां कानून-व्यवस्था काफी दम तोड़ चुकी है। सरकार इस ओर ध्यान दे तो यह बेहतर होगा, बी.एस.पी. की यह सलाह है। इस मामले में डीआईजी ने दावा किया कि सभी नामजद आरोपियों को पुलिस जल्द ही गिरफ्तार कर लेगी। मामले में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि खुली पंचायत में मौजूद अफसरों के खिलाफ शासन ने कार्रवाई की है। मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नजीर बनेगी।

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिये 17 से 25 अक्टूबर तक चलाया जायेगा विशेष अभियानः मुख्य सचिव

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिये एक विशेष अभियान संचालित किये जाने के सम्बन्ध में विस्तृत दिशा-निर्देश निर्गत किये गये हैं। उक्त जानकारी देते हुये मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिये एक विशेष अभियान शारदीय नवरात्र में दिनांक 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक चलाया जायेगा। उन्होंने कहा कि विशेष अभियान के शुभारम्भ होने के पश्चात् विभिन्न विभागों द्वारा अन्तर्विभागीय समन्वय द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा एवं स्वावलम्बन के सम्बन्ध में विशिष्ट कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। प्रत्येक जनपद में विशेष अभियान का शुभारम्भ दिनांक 17 अक्टूबर, 2020 को प्रभारी मंत्रिगण द्वारा किया जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के विशेष अभियान का समापन 25 अक्टूबर, 2020 होने के उपरान्त, यह विशेष अभियान 'मिशन शक्ति' के नाम से अनवरत जारी रहेगा, जिसका अन्तिम रूप से समापन माह अप्रैल, 2021 (वासंतिक नवरात्र) में होगा। विशेष अभियान के संचालन के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन तथा महिला अपराध व बाल अपराध के सम्बन्ध में जागरूकता पैदा करने हेतु प्रत्येक माह एक सप्ताह के विशिष्ट कार्यक्रम भी आयोजित किये जायें। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान कुल 180 दिन तक चलाया जायेगा। विशेष अभियान के दौरान प्रदेश के समस्त 75 जनपदों, 821 ब्लाकों, 59,000 पंचायतों, 630 शहरी निकायों व 1535 थानों के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्म निर्भर बनने का प्रशिक्षण, सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूकता प्रदान किये जाने की कार्य योजना है। इसके अतिरिक्त लैंगिक आधारित संवेदीकरण, ध्वनि संदेश, साक्षात्कार, प्रशिक्षण, दुर्गापूजा पण्डालों में कार्यक्रम, थानों पर कार्यक्रम तथा ग्रामीण स्तर पर जागरूकता उत्पन्न किये जाने सम्बन्धी कार्यक्रम सम्पन्न किये जायें।

महिलाओं में स्वावलम्बी बनने की प्रक्रिया को बढ़ाया जाये। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा विभिन्न स्तरों पर शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के लिये चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं में लाभार्थियों का चयन एवं प्रशिक्षण के कार्यक्रम कराये जायें। पूर्व में प्राप्त हो रहे लाभों का सत्यापन भी कराया जाये। शासन के विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी प्रदान किये जाने हेतु महिलाओं एवं बालिकाओं के जागरूकता शिविर आयोजित कर उन्हें इन कार्यक्रमों के लाभों के बारे में अवगत कराया जाये। एक रजिस्टर रखा जाये, जिसमें महिलाओं एवं बालिकाओं से सम्बन्धित कार्यक्रमों का लाभ उठाने के इच्छुक महिलाओं,बच्चों का विवरण दर्ज किया जाये तथा उन्हें विभिन्न योजनाओं में लाभ दिलाने हेतु फार्म इत्यादि भरवाकर सम्बन्धित विभाग को भेजा जाये तथा विवरण कम्प्यूटराइज कराकर अनुश्रवण किया जाये। इसके अतिरिक्त विशेष अभियान में स्थानीय स्तर पर सामाजिक संगठन, विभिन्न महिला संगठनों, मीडिया तथा जागरूक समाज सेवियों की एक समिति बनाकर विभिन्न रोल मॉडल का चयन किया जाये। ऐसी महिलाओं एवं बालिकाओं का चयन किया जाये, जो कि विभिन्न क्षेत्रों में समाज के लिये एक प्रेरणा बनी है तथा विशिष्ट क्षेत्रों में प्रयास कर सफलता पायी हैं। उदाहरण स्वरूप ऐसी महिलायें एवं बालिकायें, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों जैसे महिला सशक्तिकरण, भ्रूण-हत्या रोकने सम्बन्धी अभियान, उद्यमिता, शिक्षा, महिला अपराध रोकने इत्यादि इन क्षेत्रों में सफलता पाकर जनपद एवं प्रदेश के लिये रोल मॉडल बनी हैं, उनका चयन रोल मॉडल के लिये किया जाये। प्रत्येक जनपद से 100 रोल मॉडल का चयन किया जाये। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान का उद्देश्य प्रदेश की महिलाओं एवं बालिकाओं को स्वावलम्बी बनाना, उनमें सुरक्षित परिवेश की अनुभूति कराना, जन-जागरूकता पैदा करना, आत्म सुरक्षा की कला हेतु प्रशिक्षित करना एवं दुराचारियों की पहचान उजागर करना है। विशेष अभियान में शामिल विभागों के माध्यम से राज्य की समस्त आबादी यथा-24 करोड़ प्रदेश के नागरिकों, जिसमें महिलायें एवं बालिकायें मुख्य रूप से सम्मिलित हैं, को शामिल किया जायेगा। विशेष अभियान में सम्मिलित प्रत्येक विभाग की एक पृथक कार्ययोजना होगी। प्रथम चरण में इस अभियन का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये तथा द्वितीय चरण में 'मिशन शक्ति' के क्रियान्वयन पर बल दिया जाये। इस विशेष अभियान को सफल बनाने हेतु सभी सम्बन्धित विभाग 'कन्वर्जेन्स मॉडल' के माध्यम से अपना सहयोग प्रदान करें।

प्रदेश में कुल 5,146 गो-आश्रय स्थलों में 5,19,816 गोवंश संरक्षित

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में प्रदेश में निराश्रितध्बेसहारा गोवंश को संरक्षित किए जाने हेतु 02 जनवरी, 2019 को नीति प्रख्यापित की गयी थी। इस नीति के अनुपालन में समस्त जनपदों में निराश्रित, बेसहारा गोवंश को गो-आश्रय स्थलों में संरक्षित कर उनकी सुरक्षा एवं भरण-पोषण की कार्यवाही की जा रही है। गोवंश की सुरक्षा हेतु शेड का निर्माण कराया गया है। साथ ही, सुरक्षा खाई, पीने का पानी, प्रकाश, पशु चिकित्सा, हरा चारा उत्पादन आदि कार्य भी संपादित कराए जा रहे हैं। यह जानकारी आज यहां देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश में कुल 5,146 गो-आश्रय स्थल स्थापित हैं। इनमें 4,452 अस्थायी गोवंश-आश्रय स्थल, 148 कान्हा गोशाला, 402 कांजी हाउस एवं 144 वृहद गो-संरक्षण केन्द्र हैं। यह गो-आश्रय स्थल प्रदेश के ग्रामीण व शहरी इलाकों में स्थापित किए गए हैं। इन गो-आश्रय स्थलों में 5,19,816 गोवंश संरक्षित हैं। गोवंश की पहचान हेतु उन्हें यू0आई0डी0 इयर टैग लगाया गया है। गोवंश के भरण-पोषण हेतु विभिन्न गो-आश्रय स्थलों में 9.80 लाख कुन्तल भूसा एकत्र कर संरक्षित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2018-19 से अभी तक गोवंश के भरण-पोषण हेतु 380.61 करोड़ रुपए की धनराशि जिलाधिकारियों को उपलब्ध करायी जा चुकी है। मुख्यमंत्री निराश्रित, बेसहारा गोवंश सहभागिता योजना के अन्तर्गत अब तक 32,242 इच्छुक कृषकों को 62,314 गोवंश सुपुर्दगी में देकर लाभान्वित किया गया है। साथ ही, राष्ट्रीय पोषण मिशन के अन्तर्गत 519 कुपोषित परिवारों को गोवंश आश्रय स्थलों से गोवंश उपलब्ध कराया गया है। गो-आश्रय स्थलों से सम्बन्धित इन योजनाओं के अन्तर्गत चिन्हित लाभार्थियों को प्रति गोवंश 30 रुपए प्रतिदिन अर्थात 900 रुपए प्रतिमाह गोवंश के भरण-पोषण हेतु अनुदान के रूप में लाभार्थी के बैंक खाते में हस्तांतरित किया जाता है।

उत्तर प्रदेश में सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी हिन्दू महासभा

ऋषि त्रिवेदी ने की प्रदेश पदाधिकारियों के नामों की घोषणा

लखनऊ, संवाददाता। अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी ने उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी को नियुक्ति पत्र प्रदान किया । आज प्रेस क्लब में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों के समक्ष नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए रविन्द्र कुमार द्विवेदी ने कहा कि हिन्दू महासभा उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में सभी सीटों पर प्रत्याशी खड़ा करेगी। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी ने दावा किया कि 'रामराज्य और हिंदुत्व किसान आयोग का गठन, महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता लड़कियों को स्नातक तक मुफ्त शिक्षा, जनसंख्या नियंत्रण कानून समान नागरिक संहिता अपराधमुक्त और भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश और प्रत्येक नागरिक को खाद्य सुरक्षा गारंटी आदि मुद्दों पर हिन्दू महासभा सन 2022 में ऋषि त्रिवेदी के नेतृत्व में बहुमत हासिल कर अपने बल पर सरकार बनाने में सफल होगी। हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आचार्य विजय प्रकाश मानव ने संवाददाता सम्मेलन में हिन्दू महासभा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पियूष कांत वर्मा और पूर्व प्रदेश मंत्री अनुपम मिश्र को हिन्दू महासभा से निष्कासित करने की घोषणा की। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि ऋषि त्रिवेदी को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करने के साथ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पियूष कांत वर्मा को संगठन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का उत्तरदायित्व दिया गया था। उन्होंने अनुपम मिश्र के साथ मिलकर राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी त्रिदंडी जी महाराज के विरुद्ध बगावत की और उनके लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया। यह अनुशासन हीनता का अपराध है , जिस कारण दोनों पूर्व प्रदेश पदाधिकारियों को निष्कासित करने का निर्णय लेने पर बाध्य होना पड़ा । राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री अधिवक्ता संजया शर्मा ने पियूष कांत वर्मा के निष्कासन का स्वागत करते हुए कहा कि वो हिन्दू महासभा संविधान को तिलांजलि देकर पिछले आठ साल से संगठन को एक प्राइवेट कंपनी की तरह चला रहे थे। पिछले चार वर्ष में उन्होंने न तो प्रदेश का अधिवेशन करवाया और न ही प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिलाध्यक्षों और प्रदेश नेतृत्व द्वारा बनाए जाने वाले सदस्यों की सूची केंद्रीय नेतृत्व को सौंपी। ऐसे नेताओं के लिए हिन्दू महासभा में कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में हिन्दू महासभा की सफलता सुनिश्चित करने के लिए ही ऋषि त्रिवेदी को प्रदेश नेतृत्व की कमान सौंपी गई है।

बुनकरों की सस्ती बिजली खत्म करना गैरकानूनी: एआईपीएफ

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 2006 से बुनकरों को मिल रही सस्ती बिजली को खत्म करने का फैसला विधि विरूद्ध और मनमर्जीपूर्ण है। यह सरकार की 'वन डिस्टिक-वन प्रोजेक्ट' जैसी घोषणाओं की सच्चाई को भी सामने लाती है। इस आदेश के बाद पहले से ही कठिन हालातों से गुजर रहे बुनकरों, जिन्हें कोरोना महामारी ने लगभग तबाही की हालत में ला दिया है, को बर्बाद कर देगा। इस आदेश को रद्द कराने के खिलाफआल इंडिया पीपुल्स फ्रंट सड़क से लेकर अदालत तक लड़ाई लड़ेगा। यह बातें आज एआईपीएफके राष्ट्रीय प्रवक्ता व पूर्व आईजी एस. आर. दारापुरी ने प्रेस को जारी अपने बयान में कहीं। उधर एआईपीएफसे जुड़ी उ0 प्र0 बुनकर वाहनी के अध्यक्ष इकबाल अहमद अंसारी के नेतृत्व में मऊ में बुनकरों ने प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को पत्रक भेजा। दारापुरी ने सीएम को ईमेल द्वारा भेजे पत्र में प्रदेश के प्रमुख छोटे मझोले उद्योग बुनकरी जिससे लाखों परिवार अपनी आजीविका चलाते हैं की रक्षा के लिए तत्काल प्रभाव से सस्ती बिजली दर खत्म करने के आदेश को रद्द करने की मांग की है। एआईपीएफनेता दारापुरी ने सीएम को भेजे पत्र में बताया कि 14 जून 2006 जारी शासनादेश द्वारा बुनकरों को फ्लैट रेट पर विद्युत आपूर्ति की योजना बजट 2006-2007 का हिस्सा थी और किसी शासनादेश से अधिसूचना को रद्द करना विधि के प्रतिकूल है। 2006 को जारी हुई इस अधिसूचना के अनुसार 0.5 हार्स पावर के लिए 65 रूपए प्रति लूम, 1 हार्स पावर के लिए 130 रूपए और ग्रामीण क्षेत्र के लिए क्रमशः 0.5 हार्स पावर के लिए 37.50 रूपए प्रति लूम एवं 1 हार्स पावर के लिए 75 रूपए प्रति लूम प्रति माह लेने का प्रावधान किया गया था। अतिरिक्त मशीनों पर शहरी क्षेत्र में 130 रूपए और ग्रामीण क्षेत्र में 75 रूपए प्रति माह लेने का प्रावधान था। इस आदेश के बिंदु संख्या 10 के अनुसार इस व्यवस्था के अनुपालन के लिए एक पासबुक की व्यवस्था की गयी थी।

यूपी में बेटियों पर बढ़ते अपराध को रोकने में नाकाम योगी सरकार: कांग्रेस

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में बढ़ते अपराध को लेकर योगी सरकार पर विपक्षी पार्टियाँ जमकर हमला बोल रही है। इसी क्रम में कांग्रेस पार्टी की प्रवक्ता अराधना मिश्रा ने कानून व्यवस्था को लेकर योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा प्रदेश में रोज बलात्कार, हत्या जैसी जघंन्य घटनाओं की महिलाएं शिकार हो रही हैं। परंतु योगी सरकार आरोपियों पर कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि उससे भी बड़ा अपराध तो यह है कि जब एक बेटी का बलात्कार होता है तो अपने नेताओं, अधिकारियों को बचाने के लिए सरकार उस बेटी के चरित्र पर सवाल खड़ा करना बड़ी दुख की बात है। उत्तर प्रदेश से चुन कर दिल्ली में बैठे प्रधानमंत्री जी को भी बेटियों की पीड़ा दिखाई व सुनाई नहीं दे रही।अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष ने कहा उत्तर प्रदेश की बेटियों की आवाज प्रधानमंत्री जी तक पहुंचाने के लिए अखिल भारतीय महिला कांग्रेस ने एक मुहिम शुरू की है।

जिंदा होगें गोरखपुर शहर के ताल, पोखरे अब यहां भी चलेगा प्रशासन का बुलडोजर

⇨ 3,42 एकड़ है पोखरे का रकबा, पैमाइश में डेढ़ एकड़ जमीन कब्जे में मिली
⇨ 12लोगो को नोटिस, कब्जा हटाने के लिए तीन दिन की दी गई मोहलत

गोरखपुर/ जिला प्रशासन की शख्ती बरकरार रही तो जल्द ही गोरखपुर भी झीलों के शहर भोपाल की तरह नजर आएगा।जिला प्रशासन ने शहर के सभी ताल पोखर की जमीन कब्जा मुक्त कराकर उसे पुराने स्वरुप में लाने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में ताल सुमेर सागर के साथ ही अब जिला प्रशासन ने बशारतपुर स्थित खरैया पोखरे की जमीन से भी अवैध कब्जा हटाने की तैयारी शुरू कर दी है। ताल की पैमाइश के बाद मौके पर जिनका कब्जा पाया गया है, उन्हें नोटिस जारी कर तीन के भीतर कब्जा हटाने की मोहलत दी गई है।इसके बाद संबंधित अवैध निर्माण पर प्रशासन का बुलडोजर चलेगा। जिला प्रशासन के मुताबिक 3 एकड़ 42 डिसमिल क्षेत्रफल में फैले करैया पोखरे की जॉइंट मजिस्ट्रेट गौरव सिंह सोगरवाल के नेतृत्व में लेखपालों की टीम ने दो दिन तक पैमाइश की। इस दौरान ताल की करीब 1:30 एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा पाया गया। इनमें कुछ ने पक्के निर्माण करा लिए हैं। तो कुछ ने ताल की जमीन में बढ़कर निर्माण करा लिया है। कई अस्थाई निर्माण भी है। सदर तहसील प्रशासन ने स्थायी निर्माण करा लेने वाले 12 लोगों को नोटिस भेजकर 3 दिन के भीतर खुद ही कब्जा हटाने की चेतावनी दी है।

खाद्य विभाग की टीम ने 6 नमूने संग्रहित कर प्रयोगशाला के लिए जांच हेतु भेज दिया

गोरखपुर/ आगामी पर्व नवरात्र के मध्य नजर रखते हुए शासन के निर्देश पर आम जनमानस को शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य मुख्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में दो टीमें गठित कर शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में लगाया गया । मुख्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि एक टीम ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद राय प्रतिमा त्रिपाठी नरेंद्र कुमार ने पादरी बाजार अवनातिका स्वीट हाउस खोवा, नित्य आपूर्ति ब्रांड कोहू आटा, कुसुम पांडे के प्रतिष्ठान से आटा सिंघाड़ा आटा का नमूना लिया गया । दूसरी टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी राधेश्याम वर्मा इंद्रेश प्रसाद सतीश सिंह ने खजनी बाजार से सुरेंद्र कुमार जायसवाल की दुकान से फाफड़ा आटा, महादेव बाजार संजय गुप्ता की दुकान से रामदाना खजनी बाजार राधेश्याम की दुकान से मूंगफली का दाना का नमूना लिया गया। इस प्रकार टीम ने कुल 6 नमूने संग्रहित कर प्रयोगशाला हेतु जांच के लिए भेजा गया।

पीडब्ल्यूडी की सडकें बनी तलैया खेत बने खाई खनन माफियाओं ने किया बडा खेल

कंचन उजाला/लखनऊ। सूबे में पूर्व खनन मंत्री भले ही जेल में हों ।लेकिन यूपी की राजधानी में खनन माफियाओं के आगे शासन का असर एकदम बेअसर है।काकोरी थाना क्षेत्र में खनन माफिया बेलगाम हैं। खनन माफियाओं ने जेहटा माल रोड से दो सौ मीटर की दूरी पर बीस फीट जेसीबी से खोद कर कई बीघा जमीन में खाई बना दिया ।बिना परमिट खनन कर रहे हैं। प्रशासन की मिलीभगत से चल रहा है अवैध खनन। वहीं झाडियों में छिपाकर रखते हैं जेसीबी। लखनऊ के सदर तहसील के जेहटा गांव में चल रहा है अवैध खनन। खनन के मामले में एसीपी काकोरी व थाना प्रभारी काकोरी मौन बने हुए हैं। काकोरी पुलिस की मिलीभगत से चल रहा अवैध रूप से खनन चीर रहे धरती मां का सीना सरकार द्वारा पूर्ण रूप से प्रतिबंध होने के बावजूद भी खनन माफिया चील रहे धरती मां का सीना. सुबह भी चलते हैं ट्रैक्टर तथा रात होते ही खनन माफियाओं के ट्रैक्टर ट्राली रोड पर दौड़ने लगती हैं नहीं है डर शासन व प्रशासन का अवैध रूप से चीर रहे धरती मां का सीना राजधानी लखनऊ काकोरी कोतवाली क्षेत्र घुरघरी तालाब चौकी के पास गुजर रही मिटटी भरी ट्रैक्टर ट्राली जिसको देख कर भी अनजान बन रहे हैं आला अधिकारी।

शहर में त्योहारों पर जाम से मिलेगी निजात, अस्थाई बनेंगे पार्किंग जोन

गोरखपुर/ त्योहारों पर ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने की मंशा से गोरखपुर प्रशासन ने शहर के विभिन्न भीड़-भाड़ वाले इलाकों में अस्थायी पार्किंग तैयार करने का निर्णय लिया है। कमिश्नर जयंत नार्लिकर के निर्देश पर प्रशासन, नगर निगम, आरटीओ, यातायात और लोक निर्माण विभाग के अफसरों ने निरीक्षण कर करीब आधा दर्जन जगह चिह्नित की है। कमिश्नर ने डीआईजी राजेश डी मोदक, डीएम के. विजयेंद्र पांडियन, एसएसपी जोगेंद्र कुमार, नगर आयुक्त अंजनी सिंह समेत विभिन्न विभाग के अफसरों के साथ बैठक कर पार्किंग की व्यवस्था करने का निर्देश दिया था। इस पर एडीएम सिटी राकेश कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में नगर निगम, यातायात आदि विभागों के अफसरों की संयुक्त टीम ने भ्रमण कर सिनेमा रोड स्थित संभागीय खाद्य नियंत्रक (आरएफसी) परिसर, राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) कार्यालय के बगल में, काजी हाउस, सीतापुर आई हॉस्पिटल, बिस्मिल पार्क के निकट, जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के सामने स्थित मजार के बगल में स्थित नजूल की जमीन को अस्थायी पार्किंग के लिए चिह्नित किया। बैठक के बाद इन स्थानों पर पार्किंग को लेकर अंतिम मोहर लगेगी। भविष्य में इन स्थानों पर मल्टीलेवल पार्किंग बनाने पर भी विचार हो सकता है। भ्रमण के दौरान टीम ने सड़क की पटरी पर अतिक्रमण करने वालों को चेताया। टीम में एडीएम सिटी राकेश कुमार श्रीवास्तव, नगर आयुक्त अंजनी सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गौरव सिंह सोगरवाल, सिटी मजिस्ट्रेट अभिनव रंजन, एसपी ट्रैफिक आशुतोष शुक्ला आदि मौजूद रहे।

फिल्म कलाकार अजय उपाध्याय का अचानक हृदय गति रुकने से शुक्रवार को हुआ आकस्मिक निधन

फिल्म ओ माय गॉड समेत कई अन्य फिल्मों एवं टीवी सीरियलों में अभिनय कर सफलता की ओर थे काफी अग्रसर, युवा कलाकार के निधन से क्षेत्रवासी गमगीन

अंबेडकरनगर। आलापुर तहसील क्षेत्र के बौरांव गांव निवासी युवा फिल्म कलाकार अजय कुमार उपाध्याय का शुक्रवार प्रातः 8ः00 बजे अचानक हृदय गति रुक जाने से अचानक आकस्मिक निधन हो गया। अजय कुमार उपाध्याय फिल्म ओ माय गॉड समेत कई अन्य फिल्मों एवं टीवी सीरियलों में काम कर काफी ख्याति अर्जित कर चुके थे। उनकी साहित्य का कला संगीत एवं खेल में शुरू से ही काफी रुचि थी। लगभग 32 वर्षीय युवा कलाकार अजय कुमार उपाध्याय के आकस्मिक निधन पर भाजपा जिलाध्यक्ष कपिलदेव वर्मा, विधायक अनीता कमल, सपा जिलाध्यक्ष राम शकल यादव, ब्लॉक प्रमुख संगीता देवी, भाजपा अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष अभिषेक चौधरी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष दशरथ यादव, सुमन पाण्डेय, रफत एजाज, भाजपा

मंडल अध्यक्ष गण अभिषेक निषाद, भगवान पाण्डेय, महेंद्र वर्मा, ज्ञानेंद्र सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष गढ़ अनंद जायसवाल, अरविंद उपाध्याय, कृष्ण भगवान मिश्र, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की जिला संयोजिका डॉ पूनम राय, रामकृष्ण पांडेय डबलर, अमरेंद्र कांत सिंह, डॉ मिथिलेश त्रिपाठी, सुरेश कनोजिया, सानू मिश्रा, वरुण सिंह, सुनीत द्विवेदी, कमलेश मिश्र, अनिल सिंह, गुड्डू सिंह, राकेश पाण्डेय, विकास यादव, जिपस अनवर सादात अंसारी, जिला पंचायत सदस्य प्रदुम्न यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रणजीत सिंह यादव, प्रेम नारायण यादव, कंचन यादव, अजीत यादव, बलिराम, पूर्व सपा प्रत्याशी संगीता कनौजिया, ग्राम प्रधान राजेंद्र यादव, अधिवक्ता संघ पूर्व अध्यक्ष सुनीत द्विवेदी, बसपा नेता रामसूरत, चंद शेखर यादव, बलराम निषाद, बृजेंद्र मिश्र, अंजनी तिवारी, अजय तिवारी, भोले तिवारी, सामाजिक कार्यकर्ता ख्वाजा अली असगर सहित कई अन्य लोगों ने कलाकार अजय उपाध्याय के आकस्मिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतृप्त परिवार को सहन शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रेम शीला यादव, जिला उपाध्यक्ष अम्बिका जायसवाल,अन्नू यादव, उपमा पाण्डेय सहित कई अन्य लोगों ने भी गहरा दुख व्यक्त किया।

अवैध असलहे के साथ एक गिरफ्तार

प्रभारी निरीक्षक नगर सतानन्द पाण्डेय के नेतृत्व में अभियुक्त सिद्दीक उर्फ मोहम्मद अली निवासी फुटहिया संसार पुर थाना नगर जनपद बस्ती को एक अदद कट्टा 12 बोर व 2 अदद जिंदा कारतूस के साथ समय 10.00 बजे शहीद स्मारक के पास से गिरफ्तार कर थाना नगर पर मु0अ0सं0 217/2020 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर माननीय न्यायालय रवाना किया गया।
गिरफ्तार करने वाली टीम में उ0नि0 दिनेश चन्द्र मिश्रा और का0 विशाल मिश्रा थाना नगर जनपद बस्ती रहे।

वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा मुख्यमंत्री ने अभ्यर्थियों को वितरित किया नियुक्ति पत्र

संतकबीर नगर। 69000 शिक्षक भर्ती प्रक्रिया के अन्तर्गत मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया तथा वीडियों काफ्रेसिंग के माध्यम से जनपद बांदा, गोरखपुर, वाराणसी, सिद्धार्थनगर शाहजहांपुर एवं बरेली के सफल अभ्यर्थियों से संवाद किया गया है। उनके द्वारा नियुक्ति पत्र पाये 31227 अभ्यर्थियों एवं उनके परिवारजनों को शुभकामनायें देते हुए छात्र छात्राओं को बेहतर एवं गुणवत्तपूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु अपेक्षा की गयी। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि शिक्षा जीवन का आधार है बेहतर शिक्षकों की नियुक्ति से छात्र-छात्राओं की शिक्षा में सुधार होगा तथा वर्तमान शिक्षा पद्धति में अमूलचूल परिवर्तन आयेगा।

उन्होंने कहा कि 69000 शिक्षक भर्ती प्रक्रिया के अन्तर्गत बचे हुए रिक्त पदों को भरे जाने के लिए सरकार कटिबद्ध है।

69000 शिक्षक भर्ती प्रक्रिया के अन्तर्गत जनपद संत कबीर नगर में कुल 128 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। सदर विधायक मा0 दिग्विजय नारायण उर्फ जय चैबे द्वारा चयनित अभ्यर्थियों वर्षा भल्ला, सादिका असलम, विपिन कुमार, श्रद्धा चैधरी, एवं राजेश कुमार राजू को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। इस अवसर जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सत्येद्र सिंह, आदि उपस्थित रहे।

धर्म समाज एवं देश की रक्षा हेतु युवाओ का जागरूक होना आवश्यक

रुद्र प्रताप सिंह लखनऊ। मलिहाबाद मे श्री परम् शिवालय प्रांगण मे प्रान्त स्तरीय बैठक में प्रान्त संगठन मंत्री श्री राजेश , प्रान्त विशेष सम्पर्क प्रमुख श्री ब्रजेन्द्र सिंह चौहान , गौ रक्षा प्रमुख श्री चंद्रभान सिंह प्रान्त संगठन मंत्री जी ने संगठन के विस्तार और हिन्दू समाज को एकजुट होने के लिए प्रेरित किया और ये भी कहा कि हिन्दुवों ने कभी भी किसी भी धर्म समाज का आज तक नुकसान नही किया है। हिन्दुवों को अपने धर्म के साथ साथ हिंदुस्तान को बचाने के लिए जागना होगा यदि मेरे धर्म के साथ अत्याचार या अन्याय होगा उनका जवाब भी दिया जाएगा आय हुए बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का चयन किया गया।प्रान्त विशेष संपर्क प्रमुख जी बताया कि खुद आत्मनिर्भर बनो लवजिहाद की बहुत घटना होती है उनसे अपनी बहन बेटियों को बचाना होगा धर्मांतरण जैसी घटना से अपने हिन्दू भाई को बचाना होगा और प्रान्त गौ रक्षा प्रमुख जी ने जैविक खाद के बारे में जानकारी दी कम पैसों में अच्छी फसल होगी जैविक खाद जो कि गाय के गोबर और गौ मूत्र से बनेगी जिससे गौ माता की अहमियत बढ़ जाएगी प्रान्त स्तरीय बैठक में जिला सह मंत्री ग्रामीण भूपेंद्र,जिला मंत्री ग्रामीण देवेश,जिला संपर्क प्रमुख सुनील सिंह अर्कवंशी,जिला कार्यकारिणी सदस्य अभिमन्यु, पुतान प्रखंड माल अध्यक्ष श्रवण,मंत्री राजकुमार, संयोजक दुर्गेश सह मंत्री पंकज,मलिहाबाद प्रखंड अध्यक्ष शिव कुमार सहित अन्य संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधायिका ने फीता काटकर रामलीला कार्यक्रम आयोजन का शुभारंभ किया

रुद्र प्रताप सिंह। मलिहाबाद लखनऊ ग्राम पंचायत गौन्दा मुअज्जम नगर में रामलीला का आयोजन का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम स्थल पर रामलीला कमेटी द्वारा कोविड 19 पोस्टर बैनर लगाकर गाइडलाइन के अनुसार लोगों को जागरूक करने के लिए दिशा निर्देश के बारे में लोगों को जानकारियां अवगत करायी जिसमें सावधानियां बरतनी अति आवश्यक है जिससे समाज से जुड़े लोगों में एक अच्छा संकेत मिल सके मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा मलिहाबाद विधायिका श्रीमती जयदेवी कौशल जी ने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिसमें उपस्थित मोहनलालगंज सांसद सुपुत्र विकास किशोर युवा मोर्चा जिलामंत्री मीनू वर्मा शिव कुमार साहू ओम नारायण मिश्रा पवन कश्यप सचिन साहू मनोज सिंह राजेश रावत डा महेश सोनवानी रंजीत सोनवानी गौरव पासवान ओमकार मौर्या राकेश कश्यप तथा ग्रामवासी गण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने मलिहाबाद विधायिका का जोरदार स्वागत किया गया और मलिहाबाद उपजिलाधिकारी अजय कुमार राय के निर्देशानुसार समस्त जनमानस ने कोविड 19 के नियमों के दायरे में रहते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसमें मास्क लगाना अनिवार्य है तथा सोशल डिस्टेंसिंग के साथ बने गोलों में लोगों को एकत्र कर सीमित संख्या में लोगों की बैठने की व्यवस्था की गई है जो प्रशासन द्वारा दिए गए नए नियमों की रूपरेखा तय की गई।विश्व में फैली वैश्विक महामारी के चलते रामलीला का आयोजन छोटे पैमाने पर आयोजित किया गया।

अराजक तत्वों ने अधिवक्ता के चेंबर को किया आग के हवाले

प्रयागराज। जनपद न्यायालय इलाहाबाद के बाराखंबा स्थित एक अधिवक्ता के चेंबर को अराजक तत्वों ने आग के हवाले कर दिया। जिससे चेंबर में रखें स्टूल, कुर्सी एवं मेज में जलकर राख हो गए। आए दिन लफंगे बाजी घटनाओं से अधिवक्ता आक्रोशित है। बता दे जनपद न्यायालय से अधिवक्ता दिन भर का अपना काम खत्म कर सांयकाल काल 6:00 बजे वापस अपने घर चले जाते हैं। रात्रि 8ः00 बजे के बाद यहां पर शराबियों का जमघट लग जाता है, जो अधिवक्ताओं के चेंबर में बैठकर बीयर-दारू का चखने के साथ-साथ सिगरेट आदि का आनंद लेते हैं। शराबियों का यह सिलसिला देर रात तक जारी रहता है। शाम होने के बाद रात्रि में यहां अधिवक्ताओं का चेंबर मयखाने में बदल जाता है। मामले में बड़ी बात तो यह है कि पास ही एसएसपी कार्यालय व डीएम कार्यालय सहित अन्य प्रशासनिक कार्यालय स्थित हैं। बावजूद इसके यहां पर शराब की बिक्री निर्धारित समय के बाद तक होती रहती है। वही मामले की शिकायत कई बार संबंधित थाना कर्नलगंज में दी गई है। शिकायत पर कर्नलगंज पुलिस द्वारा कार्रवाई न होने से यह सिलसिला बदस्तूर लगातार जारी है। आपको याद दिला दें कि कर्नलगंज थाने पर तैनात प्रभारी निरीक्षक वही हैं, जिनके कारनामों से दो महीने के अंतराल में एक बार लाइन हाजिर व दूसरी बार स्थानांतरित होना पड़ा है। दारु शराब तय समय सीमा के बाहर बिक रही है तो बीके, शराबी कहीं भी बैठ कर दारु पीना चाहे तो पिए, जब ऐसे दागदार थाना अध्यक्ष संबंधित थाने पर तैनात हो तो उनसे उम्मीद भी क्या की जा सकती है। उक्त मामले की शिकायत अधिवक्ताओं ने कर्नलगंज थाने पर कर कार्रवाई की मांग की है। शराब बिक्री के तय सीमा रात्रि 9:00 बजे के बाद भी अतिरिक्त सुविधा शुल्क लेकर हो रही बिक्री के संदर्भ में एक दिन पूर्व प्रमुखता से समाचार प्रकाशित हुई थी। जहां शराब कारोबारियों द्वारा हो रही रात्रि गोरखधंधे को उजागर किया गया। यहां रात्रि 9:00 बजे से देर रात तक का बढ़ते समय के अनुसार अतिरिक्त भुगतान बढ़ता जाता है। अतिरिक्त चार्ज के रूप में तीस रुपए से लेकर डेढ़ सौ रुपए तक ली जाती है, जो शराबियों के आगमन समय पर निर्भर करता है। जिले की कानून व्यवस्था की पहली सीढ़ी जहां से शुरू होती है, वहां का यह हाल है। जहां एसएसपी कार्यालय की नाक के नीचे शराब कारोबारियों का गोरखधंधा फल-फूल रहा है। इस बात से अन्य सीढ़ियों यानि कि ग्रामीण अंचलों में शराब कारोबारियों की क्या स्थिति होगी अंदाजा लगाया जा सकता है। एसएसपी के हंटर का खौफ न शराब बेचने वाले, न ही पीने वाले और न ही संबंधित थाने को है।

कई साल से चल रहे विवाद के बाद ससुराल पहुंची बुजुर्ग महिला, मिली दर्दनाक मौत

गोरखपुर/शाहपुर थाना क्षेत्र के रामजानकीनगर मुहल्ले के नया टोला में चंदा व उनके नाती की हत्या की जानकारी पड़ोसियों को पुलिस के आने के बाद हुई। गुरुवार की शाम सात बजे उन्हें हत्या की जानकारी हुई तो वे स्तब्ध रह गए। मुहल्ले के लोग भी इसे संपत्ति विवाद से जोड़कर देख रहे हैं। उनका कहना है कि चंदा व उनके पति वीरेंद्र सिंह के बीच पिछले सात साल से संपत्ति का विवाद चल रहा है। पुलिस ने मौके से खून से सना हुआ सब्जी वाला चाकू भी बरामद किया है। अनुमान है कि हत्या इसका इस्तेमाल किया होगा। पुलिस ने शाम करीब छह बजे से ही घटनास्थल को अपने कब्जे में ले लिया था। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पहुंच कर एक-एक बिंदु को गंभीरता से खंगाला। पड़ोसियों ने बताया कि वीरेंद्र गुरुवार को दुकान पर ही थे। साथ उनका नौकर भी था वीरेंद्र के एक पुत्र विशाल व एक पुत्री सोनी हैं। विशाल सोनी से बड़ा है। 15 वर्ष पूर्व सोनी की व करीब 10 वर्ष पूर्व विशाल की शादी हुई है। शादी के बाद भी सोनी मां के साथ रहती थी। वीरेंद्र इसका विरोध करते थे। वह चाहते कि सोनी अपने ससुराल में रहे, जबकि चंदा कहती थीं कि बेटी गरीब है। उसे भी रामजानकीनगर के मकान में हिस्सा मिले, लेकिन वीरेंद्र इसके लिए राजी नहीं थे। बताया जाता है कि दोनों के बीच समझौता होने के बाद भी उन्हें मकान में सिर्फ एक ही कमरा दिया गया था। इसे लेकर अक्सर विवाद होता था। पुलिस ने मौके पर बिखरे सामान देखकर आशंका व्यक्त की कि वहां घटना से पूर्व दोनों में जमकर संघर्ष हुआ है। घटना की जानकारी वीरेंद्र ने ही पुलिस को दी थी। पुलिस के मुताबिक चंदा व उनके पति में विवाद इतना बढ़ गया था कि पिछले सात वर्षों से दोनों के बीच बातचीत बंद थी। सोनी चंदा की पुत्री सोनी घटना के समय कहीं बाहर गई थीं। घर पर वीरेंद्र, चंदा, बहू रचना व नाती नैतिक राम व विशाल के बच्चे मौजूद थे। वीरेंद्र व रचना घटना के समय विशाल को बाहर बता रहे थे, लेकिन बच्चों ने बताया कि विशाल घर पर ही था। पुलिस ने वीरेंद्र सिंह, रचना, वीएन सिंह नामक एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एसएसपी जोगेंद्र कुमार का कहना है कि महिला व उसके नाती के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। महिला का उसके पति से संपत्ति विवाद था। मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गला रेतकर की गई नानी और नाती की हत्या

शाहपुर थाना क्षेत्र के रामजानकी नगर, नया टोला में 62 वर्षीय बुजुर्ग महिला चंदा सिंह व उसके 12 वर्षीय नाती (बेटी का पुत्र) मेंहदावल निवासी नैतिक राम की गला रेतकर हत्या कर दी गई। गुरुवार की शाम उनका शव घर के कमरे में मिला। महिला के पति वीरेन्द्र सिंह की सूचना पर पहुंची पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने संपत्ति विवाद में हत्या की आशंका जताई है। रेलवे के यांत्रिक विभाग से पांच साल पूर्व सेवानिवृत्त होने वाले वीरेंद्र सिंह शाहजहांपुर के मूल निवासी हैं। रामजानकी नगर में उनका निजी मकान है। इसमें उन्होंने जय समय माई श्रृंगार केंद्र व गिफ्ट आइटम के नाम से दुकान खोली है। पिछले सात साल से वीरेंद्र और उनकी पत्नी चंदा सिंह के बीच संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है। इसकी वजह से पत्नी चंदा अपनी शादीशुदा बेटी सोनी के साथ घर से कुछ दूरी पर किराये के मकान में रहती थीं। बीते चार अक्टूबर को वीरेंद्र व चंदा में लिखित समझौता हुआ कि मकान को बांटकर दोनों आधा-आधा ले लेंगे। बंटवारा होने के बाद चंदा अपनी बेटी सोनी और नाती नैतिक राम के साथ रामजानकी नगर के अपने मकान में आ गई थीं। पुलिस घटना को प्रथम दृष्ट्या संपत्ति विवाद मानकर चल रही है। उसे बेटे विशाल पर संदेह है। विशाल नगर निगम में वाहन चालक है जो घटना के बाद से ही घर से गायब है। उसका मोबाइल स्विच आफ है। पुलिस बहू रचना सहित कुछ लोगों को कस्टडी में लेकर पूछताछ में जुटी है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कायाकल्प

हाल ही में दिल्ली में एआइ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) पर आधारित एक वैश्विक सम्मेलन हुआ, जिसने एआइ के बारे में वैश्विक विमर्श की बड़ी पहल कीघ् दर्जनों सत्रों, चर्चाओं, व्याख्यानों और बहसों में विज्ञान और तकनीक की अंतरराष्ट्रीय वैचारिक धारा को प्रभावित करने वाले मुद्दे उठेघ् किंतु केंद्र में रहा भारत, उसकी क्षमताएं,= नेतृत्वकारी स्थिति तथा महत्वाकांक्षाएं, विशेषकर यह प्रश्न कि क्या भारत दुनिया में पैदा हो रहे इस अद्भुत अवसर का लाभ उठाकर सामाजिक-आर्थिक तरक्की की नयी ऊंचाई हासिल कर सकता है।

भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा नीति आयोग की ओर से आयोजित रेज 2020 (रिस्पांसिबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फॉर सोशल एंपावरमेंट) में सैकड़ों विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया और लगभग 50 हजार लोगों ने प्रतिभागिता कीघ् इससे सम्मेलन के महत्व और प्रभाव का अनुमान लग जाता है। तकनीक की दुनिया में एआइ एक नया क्षेत्र उभरा है, जो अपने साथ आर्थिक तरक्की की बड़ी संभावनाएं लेकर आया है। यह मौका उतना ही बड़ा हो सकता है जितना कंप्यूटर और इंटरनेट के आगमन का मौका थाघ् दुनिया इस अवसर का फायदा उठाने में लगी है। अमेरिका, चीन और यूरोप रात-दिन इस क्षेत्र में बढ़त बनाने में जुटे हुए हैं। वहां अनुसंधान और कौशल विकास पर बहुत बड़ी राशि खर्च की जा रही है। भारत में भी इसका लाभ उठाने पर सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्र में मंथन शुरू हो गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर राष्ट्रीय रणनीति, जो नीति आयोग की पहल है, के दस्तावेज में अनुमान लगाया गया है कि एआइ भारत की अर्थव्यवस्था में 2035 तक लगभग एक ट्रिलियन डॉलर (957 अरब डॉलर) का योगदान देने की क्षमता रखती है, जो उस समय के जीडीपी का 1.3 प्रतिशत हो सकता है। यह एक बड़ा आंकड़ा है। विगत कुछ वर्षों से हमारी जीडीपी छह से सात फीसदी के बीच चल रही है। यदि इसमें 1.3 प्रतिशत और जुड़ जाये तो वह चीन के श्रेष्ठ वर्षों की श्रेणी में आ सकती है। यह मात्र संयोग नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेज 2020 में, अपने उद्घाटन भाषण में भारत को एआइ का ग्लोबल हब बनाने की आकांक्षा जाहिर की है। उन्होंने सरकारी सेवाओं, कृषि और अगली पीढ़ी की शहरी आधारभूत संरचनाओं जैसे कुछ क्षेत्रों का खास तौर पर उल्लेख किया है। भारत की आर्थिक प्रगति में इन सभी क्षेत्रों की बड़ी प्रतिभागिता रहने वाली है। स्वास्थ्य, परिवहन, शिक्षा, विनिर्माण, जन-सेवाएं आदि तमाम ऐसे क्षेत्र हैं जिनका कायाकल्प एआइ की मदद से होना अवश्यंभावी है। अमेरिका इस दौड़ में आगे है। चीन का भी नाम एआइ के संभावित ग्लोबल लीडर के रूप में लिया जाने लगा है। प्रश्न उठता है कि क्या भारत आगे निकलकर सबको चकित कर सकता है? एआइ का अर्थ मशीनों (या प्रौद्योगिकी) के भीतर इंसानों जैसी सीखने, विश्लेषण करने, सोचने-समझने, समस्याओं का समाधान करने, निर्णय लेने जैसी क्षमताएं पैदा हो जाने से है। अभी ये क्षमताएं केवल मनुष्य के पास हैं। लेकिन अब प्रौद्योगिकी ने इतनी तरक्की कर ली है कि बेजान मशीनों के भीतर भी इनसे मिलती-जुलती क्षमताएं पैदा हो गयी है। जब मशीनें इंसान जैसी क्षमताएं पा जाएं तो खुशी भी होती है और डर भी लगता है।

खुशी यह कि हमारे पास ऐसी मशीनें होंगी जो अनगिनत इंसानों के बराबर काम कर डालेंगी और वह भी बेहतर गुणवत्ता के साथघ् डर यह कि फिर इंसान का क्या होगा? वह क्या करेगा, खायेगा-कमायेगा कैसे? हमारा देश तो कामगारों और किसानों का देश है। अगर इसी तरह कामगार बेरोजगार होते रहे तो बेरोजगारों की इतनी बड़ी फौज खड़ी हो जायेगी कि देश की अर्थव्यवस्था वैसे ही डूब जायेगीघ् फिर हम क्यों इसे इतना बड़ा अवसर मानकर चल रहे हैं? यह डर अनुचित नहीं है, लेकिन हमें हमारे योजनाकारों के वास्तविक मंतव्य को समझने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि हम भारत को एआइ का ग्लोबल हब बनाना चाहते हैं। इसका अर्थ हुआ कि हम अपने यहां ऐसी मशीनों, तकनीकों, सेवाओं और उत्पादों का प्रयोग करने मात्र तक ही सीमित नहीं रहेंगे, हम उनका निर्माण और विकास पूरी दुनिया के लिए करेंगे, अपेक्षा है कि हम उपभोक्ता या प्रयोक्ता मात्र नहीं होंगे, बल्कि प्रदाता होंगे, सिर्फ ग्राहक नहीं, विक्रेता होंगे, हम इनोवेटर (नवोन्मेषकर्ता) और अन्वेषक होंगे, तब दुनिया भर से कंपनियां और सरकारें भारत आयेंगी और हमारी अर्थव्यवस्था लाभान्वित होगीघ् यदि हम पूरी प्रतिबद्धता से जुट जाएं तो एआइ और उससे संबंधित सेवाओं में उतनी ही मजबूती हासिल कर सकते हैं, जितनी चीन ने मैन्युफैक्चरिंग में की है। जैसे हर सस्ते उत्पाद के निर्माण के लिए दुनिया भर की कंपनियां चीन जाती हैं, वैसे ही एआइ से जुड़े हर काम के लिए वे भारत आने की सोचेंगीघ् चीन की तरह भारत में भी श्रम सस्ता है, लेकिन चीन के विपरीत भारत बेहतर गुणवत्ता के लिए भी जाना जाता है। आज चीन जिस तरह छोटी से लेकर बड़ी चीजों का निर्माण कर रहा है, उसी तरह यदि हम एआइ के क्षेत्र में दबदबा बना लें, तो क्या हमारा आर्थिक कायाकल्प नहीं हो जायेगा? आर्थिक कायाकल्प की स्थिति में हम दूसरे क्षेत्रों में अनगिनत अवसर पैदा करते हैं और बेरोजगारी की समस्या का हल खोजने के विकल्प तैयार होने लगते हैं। अगले 50 वर्षों तक तकनीकी क्षेत्र में मांग जारी रहने वाली है और इसमें भारतीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों की कमी नहीं होगी, यदि हम अपने पत्ते सही ढंग से खेलते हैं तो, यहां भारत लाभ की स्थिति में है। दुनिया में स्टेम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित) विषयों में ग्रेजुएट पैदा करने वाले देशों में हम अग्रणी हैं। कुशल पेशेवरों की उपलब्धता, डेटा की प्रचुरता, कनेक्टिविटी की सुगमता, युवाओं की बड़ी संख्या, सरकार की प्रतिबद्धता, बदलती नियामकीय व्यवस्थाएं, एकाधिक भाषाओं में प्रवीणता और भारत के प्रति दुनिया के भरोसे के कारण हम वाकई छलांग लगाने की स्थिति में है। अनेक देशों ने ऐसे अवसरों का लाभ उठाकर अपना कायाकल्प किया है। जापान ने इलेक्ट्रॉनिक्स क्रांति और चीन ने मैन्युफैक्चरिंग क्रांति का लाभ उठाया है। हालांकि चुनौतियों की भी कमी नहीं है। लेकिन सरकार, निजी क्षेत्र के बड़े संस्थान और नागरिक एकजुट हो जाएं तो क्या नहीं कर सकते।

सम्पादकीय

आस्था और परंपरा के मायने

बीसवीं सदी के प्रारंभ में एक यहूदी बहुल रूसी गांव के जीवन को दर्शाती शानदार फिल्म 'फिडलर ऑन द रूफ' की शुरुआत 'ट्रेडिशन' (परंपरा) गीत से होती है, जिसमें मुख्य किरदार बताता है कि यहां हर चीज के लिए परंपरा है, हमारा खाना-पीना, सोना-जागना, पहनना-ओढ़ना सब कुछ परंपरा के अनुरूप होता है तथा परंपरा के कारण ही हर किसी को पता है कि वह कौन है और ईश्वर को उससे क्या अपेक्षा है. यह सही है कि बहुत सारे समाजों और समुदायों में हम अपनी पहचान परंपरा और उससे संचालित नियमों से करते हैं. अगर पूछा जाए कि रविवार अवकाश और आत्मचिंतन का दिन क्यों हैं या हम शुक्रवार को प्रार्थना क्यों करते हैं या हम मंगलवार को मांस क्यों नहीं खाते, तो इसका उत्तर होगा- परंपरा. यह सूची अंतहीन है, लेकिन परंपराएं अक्सर बिना सोचे-समझे या समय के साथ उनकी प्रासंगिकता का ध्यान रखे बिना निभायी जाती हैं और यह भी नहीं सोचा जाता है कि वे हमारे जीवन को कैसे प्रभावित करती हैं. येल विश्वविद्यालय में धर्म के प्रोफेसर जारोस्लाव पेलिकन का कहना उचित ही है कि 'परंपरा मृतकों की जीवित आस्था है, परंपरावाद जीवितों की मृत आस्था है.' कुछ परंपराएं पुरानी हैं, पर बहुत सारी अपेक्षाकृत नयी भी हैं. सार्वजनिक स्थलों पर गणेश की प्रतिमा स्थापित करना और उसे जुलूस के साथ विसर्जन के लिए ले जाना अपेक्षाकृत नयी परंपरा है. हालांकि गणेश की पूजा पुरातन युग से हो रही है, पर उनके त्योहार का सार्वजनिक उत्सव 1893 के आसपास शुरू हुआ. वह दौर भारतीय राष्ट्रवाद का प्रारंभिक काल था और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने सामाजिक और धार्मिक आयोजन के रूप में गणेश पूजा का आयोजन सार्वजनिक रूप से करना शुरू किया था. वे पंडालों में गणेश की विशाल प्रतिमाओं को रखनेवाले पहले व्यक्ति थे और दस दिन बाद उन्हें विसर्जित करने की परंपरा उन्होंने ही स्थापित की. यह हालिया परंपरा अब प्लास्टर ऑफ पेरिस और रासायनिक रंगों के प्रयोग के कारण हमारे लिए गंभीर पर्यावरण समस्या बन गयी है, जिससे हमारे जल निकाय दूषित हो रहे हैं. विसर्जन के बाद मलबों की साफ-सफाई का खर्च बहुत अधिक बढ़ गया है. सबरीमला के अयप्पा मंदिर में वयस्क महिलाओं के प्रवेश पर रोक तो और भी नयी परंपरा है. त्योहारों का मौसम आ रहा है. दशहरा में निरीह पशुओं की बलि दी जायेगी, जैसे हाल में बकरीद पर किया गया. भारतीय सेना की इकाइयों में भी भैंसों की बलि देने की परंपरा है. नेपाल में तो बड़े पैमाने पर भैंसों की बलि दी जाती थी. इन पर मेरी टिप्पणियों को परंपरा में हस्तक्षेप करने की संज्ञा दी गयी. यह भी कहा गया कि ये परंपराएं होने के साथ पवित्र कर्मकांड भी हैं. सबरीमला मंदिर में स्त्रियों के प्रवेश पर या तीन तलाक को अवैध घोषित करने के सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों पर भी ऐसी ही प्रतिक्रियाएं दी जाती हैं. परंपरागत व्यवहारों के प्रति इस सम्मान पर सती प्रथा पर गवर्नर जेनरल विलियम बेंटिक की 1826 में कही गयी बात प्रासंगिक है. जब हिंदू भद्रलोक के कुछ लोगों ने उनसे कहा कि यह एक परंपरागत व्यवहार है, तो उन्होंने इतना ही कहा कि मेरे देश में भी एक परंपरा है. जब कोई हत्या करता है या किसी को मरने के लिए विवश करता है, तो हम उस हत्यारे को फांसी दे देते हैं. मेरी परंपरा आपकी परंपरा से बेहतर है. वर्ष 1829 में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, 1815 से 1824 के बीच केवल बंगाल प्रेसीडेंसी में सती होने की 5995 यानी हर साल औसतन 600 घटनाएं हुई थीं. मुस्लिम त्योहार में बलि देने की प्रथा यहूदी परंपरा से आयी है. परंपरा के अनुसार, अब्राहम ने ईश्वर के लिए अपने बेटे की बलि देना चाहा था, पर देवदूत ने उसे रोक दिया था. जब अब्राहम की आंख खुली, तो उसने एक भेड़ को सामने पाया. मुस्लिम परंपरा में यही कहानी कुछ बदलाव के साथ कही जाती है. इसी से हज के दौरान शैतान को पत्थर मारने की परंपरा जुड़ी हुई है. आज भी बड़ी संख्या में भेड़ों की बलि दी जाती है. यह सब हजारों सालों से हो रहा है. यह माना जा सकता है कि ईश्वर बलि देनेवाले अपने भक्तों की आस्था से संतुष्ट हो जाते हैं. यह एक ऐसा विश्वास है, जिसका को कोई प्रमाण या ठोस आधार नहीं है. लिहाजा, अब समय आ गया है कि हम परंपरा के संदर्भ और औचित्य को समझें, धर्म को उसकी मानवता वापस लौटा दें और धार्मिक कर्मकांड के रूप में पशुओं की बलि चढ़ाना बंद कर दें. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सामाजिक-सांस्कृतिक सुधार के लिए दूसरे आदर्श व्यक्तित्वों को अपनाना बखूबी जानते हैं, जैसा कि उन्होंने महात्मा गांधी के सुधारवादी प्रयोगों वाले व्यक्तित्व के साथ किया. यह अच्छा है. अब उनके लिए समय है कि वे हमारे दौर के राजा राममोहन राय बनें और हिंदू समाज, उसके कानून और आचार-व्यवहार में पूरी तरह सुधार की शुरुआत करें।

कोश्यारी का दिल है कि मानता नहीं!

संविधान की अनदेखी कर मनमाने तरीके से काम करने और अपने सूबे की सरकार के लिए नित-नई परेशानी खड़ी करने के लिए कुख्यात महाराष्ट्र के राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी ने एक बार फि र उद्दण्डता और निर्लज्जता का परिचय देते हुए साबित किया है कि वे राज्यपाल जैसे संवैधानिक पद पर बने रहने की न्यूनतम पात्रता भी नहीं रखते हैं। कोरोना महामारी की वजह से लॉकडाउन के दौरान बंद किए गए मंदिरों को खोलने की अनुमति न दिए जाने पर सवाल उठाते हुए राज्यपाल कोश्यारी ने सूबे के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को जिस बेहूदा लहजे में पत्र लिखा है, वह न सिर्फ मुख्यमंत्री का बल्कि देश के उस संविधान का भी अपमान है, जिसकी शपथ लेकर वे राज्यपाल के पद पर बैठे हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र देश का सर्वाधिक कोरोना संक्रमण प्रभावित राज्य है और राज्य सरकार ने महामारी की इस चुनौती से निबटने के लिए लॉकडाउन के दौरान बंद किए गए धार्मिक स्थलों को खोलने की अनुमति अभी नहीं दी है। मंदिरों को बंद रखा जाना भाजपा को रास नहीं आ रहा है। उसका कहना है कि जब रेस्तरां और बार खोलने की इजाजत दे दी गई तो मंदिरों को खोलने की इजाजत क्यों नहीं दी जा रही है। मंदिरों को खोलने की मांग को लेकर मुंबई सहित राज्य के कई शहरों में भाजपा की ओर से सड़कों पर पूजा-आरती के आयोजन की नौटंकी की जा रही है। मंदिर के नाम पर भाजपा के इस राजनीतिक उपक्रम को मुखरता प्रदान करते हुए राज्यपाल कोश्यारी ने नेता प्रतिपक्ष के अंदाज में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखे पत्र में न सिर्फ बंद पड़े मंदिरों को खोले जाने पर विचार करने को कहा, बल्कि तंज करते हुए लिखा है, आप तो हिंदुत्व के मजबूत पक्षधर रहे हैं। खुद को राम का भक्त बताते हैं। क्या आपको धर्मस्थलों को खोले जाने का फैसला टालते रहने का कोई दैवीय आदेश मिला है या फि र क्या आप अचानक

सेक्युलर हो गए हैं, जिस शब्द से आपको नफरत थी। ठाकरे ने अपने जवाबी पत्र में राज्यपाल से सवाल किया है, क्या धर्मनिरपेक्षता हमारे संविधान का हिस्सा नहीं है, जिसके नाम पर आपने शपथ लेकर राज्यपाल का पद ग्रहण किया है? ठाकरे ने अपने पत्र में लिखा है, श्लोगों की धार्मिक भावनाओं और आस्थाओं को ध्यान में रखने के साथ ही उनके जीवन की रक्षा करना भी सरकार का अहम दायित्व है। जैसे अचानक लॉकडाउन लागू करना सही नहीं था, उसी तरह इसे एक बार में पूरी तरह से खत्म कर देना भी उचित नहीं होगा। ठाकरे ने खुद को श्सेक्युलरश् कहे जाने पर पलट वार करते हुए कहा, हां, मैं हिंदुत्व को मानता हूं और मेरे हिंदुत्व को आपके सत्यापन की आवश्यकता नहीं है। मुंबई को पीओके बताने वाली का स्वागत करने वाले मेरे हिंदुत्व के पैमाने पर खरे नहीं उतर सकते। सिर्फ धार्मिक स्थलों को खोल देना ही हिंदुत्व नही है। राज्यपाल कोश्यारी ने अपने पत्र में जिस तरह बेहूदा बातें कही थीं, उसका तार्किक और मर्यादित जवाब यही हो सकता था, जो मुख्यमंत्री ठाकरे ने दिया है। मगर सवाल है कि कोश्यारी इस तरह का पत्र लिखने के बाद राज्यपाल के पद पर कैसे बने रह सकते हैं? कोश्यारी के पत्र पर नाराजगी जताते हुए महाराष्ट्र के वरिष्ठतम नेता शरद पवार ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में उचित ही कहा है कि किसी मुद्दे पर राज्यपाल की राय राज्य सरकार की राय से भिन्न हो सकती है, लेकिन राज्यपाल कोश्यारी ने जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल अपने पत्र में किया है और उस पत्र को मीडिया के जरिए सार्वजनिक किया है, वह बेहद दुखद है। दरअसल, सेक्युलरिज्म यानी पंथनिरपेक्षता किसी पार्टी का नारा नहीं बल्कि हमारे स्वाधीनता संग्राम से जुड़ा मूल्य है, जिसे केंद्र में रखकर हमारे संविधान की रचना की गई है। 15 अगस्त 1947 को जिस भारतीय राष्ट्र राज्य का उदय हुआ, उसका अस्तित्व पंथनिरपेक्षता यानी सेक्युलरिज्म की शर्त से बंधा हुआ है। पंथनिरपेक्षता या कि धर्मनिरपेक्षता ही वह एकमात्र संगठक तत्व है, जिसने भारतीय राष्ट्र राज्य को एक संघ राज्य के रूप में बनाए रखा है। जाहिर है कि संविधान और खासकर उसके इस उदात्त मूल्य के बारे में कोश्यारी की समझ या तो शून्य है या फिर वे समझते-बूझते हुए भी उसे मानते नहीं हैं। दोनों ही स्थिति में वे राज्यपाल के पद पर रहने की पात्रता नहीं रखते हैं। लेकिन जिस केन्द्र सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने कोश्यारी को राज्यपाल नियुक्त किया है, उस सरकार से या राष्ट्रपति से यह उम्मीद करना बेमानी है कि वे कोश्यारी को बर्खास्त कर संविधान के प्रति अपनी निष्ठा और सम्मान प्रदर्शित करेंगे। अगर उन्हें ऐसा करना ही होता तो बहुत पहले ही कर चुके होते, क्योंकि कोश्यारी इससे पहले भी अपने पद की गरिमा और संवैधानिक मर्यादा को कई बार लांघ चुके हैं। पिछले साल महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव के बाद भाजपा की सरकार न बनने की स्थिति में राष्ट्रपति शासन लागू करने की सिफारिश करने में भी कोश्यारी ने अनावश्यक जल्दबाजी की थी और फि र देवेंद्र फडणवीस को आधी रात को आनन-फानन में मुख्यमंत्री की शपथ दिलाने में भी उन्होंने संवैधानिक निर्देशों और मान्य लोकतांत्रिक परंपराओं को नजरअंदाज किया था। उनके और प्रकारांतर से केंद्र सरकार तथा राष्ट्रपति के इस फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की थी। बाद में जब देवेंद्र फडणवीस सरकार गिर गई और उद्धव ठाकरे की अगुवाई में महाविकास अघाडी यानी गठबंधन की सरकार बनी तो उसे अस्थिर करने की भी उन्होंने कई बार कोशिशें कीं। राज्यपाल के रूप में सिर्फ कोश्यारी का ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों और खासकर गैर भाजपा शासित राज्यों के राज्यपालों का आचरण भी कोश्यारी से भिन्न नहीं रहा है। कई राज्यपालों ने धर्मनिरपेक्षता की खिल्ली उड़ाई है, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बारे में भी अपमानजनक टिप्पणियां की हैं और विपक्षी दलों की सरकारों को अस्थिर करने की कोशिशें की हैं। कहने की आवश्यकता नहीं कि उन्होंने ऐसा केंद्र सरकार में बैठे नियोक्ताओं की शह पर ही किया है। जहां तक धर्मनिरपेक्षता या पंथनिरपेक्षता की बात है, उसकी खिल्ली उड़ाने का काम तो खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही अक्सर करते रहते हैं। 2019 का चुनाव जीतने के बाद अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में ही उन्होंने कहा था कि चुनाव नतीजों ने धर्मनिरपेक्षता के मुद्दे को अप्रासंगिक बना दिया है। वे अपनी सरकार के आलोचकों को भी अक्सर सेक्युलर गिरोह और सेक्युलर गैंग कहते रहते हैं। उनका अनुसरण उनकी पार्टी के दूसरे नेता भी करते हैं। इसलिए कोश्यारी ने जो कुछ उद्धव ठाकरे को लिखे पत्र में कहा है वह कोई नया उदाहरण नहीं है बल्कि उसे एक सुनियोजित अभियान का हिस्सा माना जाना चाहिए।

चुनाव नरेंद्र मोदी बनाम तेजस्वी यादव होगा या अगड़ा बनाम पिछड़ा

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अभियान जोरों पर है। तरह-तरह की संभावनाओं पर बात की जा रही है लेकिन तस्वीर धुंधली है। हालांकि कुछ बातें बिलकुल साफ हैं। एक तो यह कि सत्ताधारी गठबन्धन, एनडीए का चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर लड़ा जा रहा है। एनडीए के एक सहयोगी दल, लोकजनशक्ति पार्टी का एजेंडा ही नीतीश कुमार को सत्ता से बाहर करना है। वह बीजेपी के समर्थन में है और नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने के खिलाफ है। बिहार में मौजूद ज्यादातर राजनीतिक लोग मानते हैं कि चिराग पासवान को बीजेपी का आशीर्वाद प्राप्त है। उनकी सभाओं में नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लग रहे हैं। उन्होंने अधिकतर उन्हीं सीटों से अपने उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है जो नीतीश कुमार की पार्टी जे डी (यू) के हिस्से में आई हैं। उनके उम्मीदवारों की लिस्ट में भी बीजेपी छोड़कर आए लोगों की बहुतायत है। इन उम्मीदवारों के कार्यकर्ताओं से बात करके पता चलता है कि उनकी नाराजगी केंद्रीय नेतृत्व से नहीं है। वे मुकामी बीजेपी नेताओं, सुशील मोदी, मंगल पाण्डेय, राधा मोहन सिंह आदि से नाराज हैं और चिराग पासवान के साथ हैं। चिराग पासवान के लोग बीजेपी के हिस्से वाली सीटों पर खुले आम बीजेपी के लिए काम कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि बिहार में इस चुनाव के बाद जेडीयू को बीजेपी से छोटी पार्टी की भूमिका निभाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। नीतीश कुमार को मालूम है कि इस बार राज्य में उनसे नाराजगी बहुत ज्यादा है लेकिन उन्होंने बीजेपी आलाकमान को समझाने में सफलता पा ली है कि नाम के लिए ही सही उनकी पार्टी को बंटवारे में ज्यादा सीटें मिलनी चाहिए। इसके बावजूद चुनाव अभियान के जोर पकड़ने के साथ जो स्थिति बन रही है उसमें साफ़ समझ में आ रहा है कि बिहार का चुनाव बीजेपी बनाम आरजेडी हो चुका है। कांग्रेस, जेडीयू, चिराग पासवान की पार्टी, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी, उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी, जीतनराम मांझी की पार्टी इन्हीं दो पार्टियों में किसी न किसी को प्रत्यक्ष या परोक्ष समर्थन दे रही है।

बिहार में 2015 के विधानसभा चुनावों में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने जोर आजमाया था। उन दिनों भी चर्चा थी कि ओवैसी साहब चुनाव मैदान में बीजेपी की मदद करने के उद्देश्य से आए हैं। बीजेपी में उनके शुभचिंतकों ने उनको 36 सीटों से चुनाव लड़वाना चाहा था लेकिन वे उतने उम्मीदवार नहीं जुटा पाए। करीब छरू सीटों पर ही चुनाव लड़ पाए। 2015 के बाद कई चुनावों में ओवैसी की पार्टी ने बीजेपी को परोक्ष रूप से मदद पहुंचाया है। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में उनकी भूमिका का खास तौर से जिक्र किया जा सकता है। इस बार उन्होंने बिहार में कोइरी जाति के बड़े नेता, उपेन्द्र कुशवाहा के साथ गठबंधन कर लिया है। उपेन्द्र कुशवाहा 2018 तक नरेंद्र मोदी की सरकार में मंत्री थे, 2014 में उनको एनडीए में शामिल किया गया था और लोकसभा की तीन सीटें मिली थीं। तीनों जीत गए थे और दावा किया था कि उनकी बिरादरी के सभी वोट उनके कारण ही एनडीए उम्मीदवारों को मिले थे। अपने इस आत्मविश्वास के कारण ही 2019 के लोकसभा चुनाव के पहले उन्होंने यह आरोप लगाकर कि मोदी सरकार सामाजिक न्याय की शक्तियों को कम महत्व दे रही है, एनडीए से अपने को अलग कर लिया था। 2019 में उनको एक भी सीट नहीं मिली। अभी कुछ दिन पहले तक उपेन्द्र कुशवाहा तेजस्वी यादव के साथ थे लेकिन वहां से अलग हो गए। चर्चा तो यह भी थी कि वे वापस एनडीए में जाना चाहते हैं लेकिन बात नहीं बनी। अनुमान के मुताबिक उनकी जाति के मतदाताओं की संख्या बिहार में करीब आठ प्रतिशत है। 2019 के चुनावों के पहले माना जाता था कि अपनी जाति के वोटरों पर उनका खासा प्रभाव है लेकिन तेजस्वी यादव का मानना है कि ऐसा कुछ नहीं है। शायद इसीलिए तेजस्वी यादव ने उनको अपने गठबंधन से बाहर जाने के लिए प्रेरित किया। वे महागठबंधन में बड़ी संख्या में सीटों की मांग कर रहे थे। आरजेडी का मानना है कि उपेन्द्र कुशवाहा को ज्यादा सीटें देने का कोई फायदा नहीं है क्योंकि वे अपनी जाति के वोट ट्रांसफर नहीं करवा पाते। अब वे असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी मजलिस इत्तेहादुल मुसलमीन के साथ गठबंधन बनाकर चुनाव लड़ने जा रहे हैं। बिहार चुनाव में राजनीतिक बारीकियों की परतें इतनी ज्यादा हैं कि किसी के लिए साफ़ भविष्यवाणी कर पाना असंभव है। कुछ चुनाव पूर्व सर्वे आए हैं जो अपने हिसाब से सीटों की संख्या आदि बता रही हैं लेकिन टीवी चौनलों द्वारा कराये गए सर्वेक्षणों की विश्वनीयता बहुत कम हो गई है इसलिए उनके आधार पर कुछ भी कह पाना ठीक नहीं होगा। देश की आबादी का एक बड़ा वर्ग मानता है कि यह चुनाव पूर्व सर्वे पार्टियों के प्रचार का साधन मात्र होते हैं, उनका चुनाव की गहराई से कोई मतलब नहीं होता। कुछ आंकड़े साफ संकेत देते हैं। एक सर्वे के मुताबिक करीब 84 प्रतिशत मतदाता नीतीश कुमार की सरकार से नाराज हैं। इनमें से करीब 54 चाहते हैं कि इस बार नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाना चाहिए। करीब 30 प्रतिशत नाराज होने के बावजूद नीतीश कुमार को हटाने की बात नहीं कर रहे हैं, नीतीश कुमार से केवल 15 प्रतिशत मतदाता संतुष्ट हैं। यह आंकड़ा बिहार चुनाव की मौजूदा समझ को एक दिशा देता है। मुख्यमंत्री के इतने बड़े विरोध के बाद तो तेजस्वी यादव की अगुवाई वाले गठबंधन को अवसर का लाभ ले लेना चाहिए था लेकिन उस गठबन्धन में भी तस्वीर कतई साफ नहीं है। 2015 में आरजेडी की सफलता में लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व का बड़ा योगदान था। लोगों को साथ लेकर चलने की लालू प्रसाद की योग्यता उनके बेटे में नहीं है। महागठबंधन की दूसरी पार्टी कांग्रेस है। कांग्रेस में भी नेतृत्व को लेकर जो विवाद है उसके कारण चारों तरफ दुविधा का माहौल है। मुकेश साहनी की विकासशील इंसान पार्टी, उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी पहले ही गठबंधन छोड़ चुके हैं। उनके वोटों में पप्पू यादव की पार्टी भी कुछ वोट ले जायेगी। ऐसी हालत में बातें जलेबी की तरह घुमावदार ही बनी हुई हैं।

पाकिस्तान ने इंग्लैंड को टी-20 सीरीज के लिए न्योता भेजा

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इंग्लैंड को अगले साल जनवरी में 3 टी20 मैचों की सीरीज खेलने के लिए आमंत्रित किया है. पीसीबी के सीईओ वसीम खान ने इसका खुलासा किया. इंग्लैंड ने पाकिस्तान का आखिरी दौरा 2005-06 में किया था. तब टीम ने टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा किया था.वसीम खान ने कहा, 'हां हमने इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के पास 13 से 20 जनवरी के बीच 3 टी20 मैचों की सीरीज खेलने के लिए आधिकारिक निमंत्रण भेजा है.' उन्होंने साफ किया कि इस दौरे का पाकिस्तानी टीम के इस साल के इंग्लैंड दौरे से कोई संबंध नहीं है. पाकिस्तान की टीम कोरोना वायरस महामारी के बावजूद टेस्ट सीरीज खेलने के लिए इंग्लैंड गई थी.वसीम खान ने आगे कहा, 'जब हमने टीम को इंग्लैंड भेजने का फैसला किया तो हम कोविड-19 और जैव सुरक्षित वातावरण को लेकर चिंतित थे. इसके अलावा कुछ लोगों ने चिंता जताई थी कि इससे हम अपने खिलाड़ियों को खतरे में डाल सकते हैं. ये हमारे लिए आसान नहीं था जबकि दौरे से पहले जब हमारे 10 खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे.' उन्होंने कहा कि उनके निमंत्रण पर फैसला करना अब इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के हाथ में है.वसीम खान ने कहा, 'हमने कभी इसके बदले में पाकिस्तान दौरे की पर चर्चा नहीं की लेकिन अब हमने ईसीबी को न्योता भेजा है. अब उन्हें कोई फैसला करने से पहले सुरक्षा और कोविड-19 की परिस्थितियों

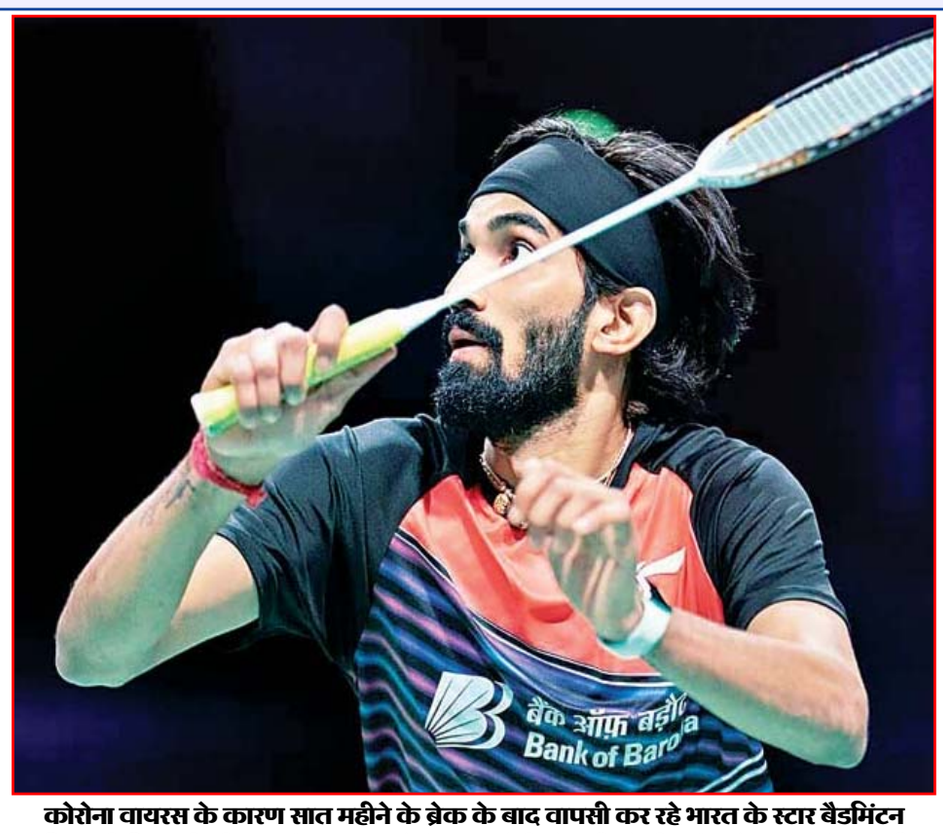

कोरोना वायरस के कारण सात महीने के ब्रेक के बाद वापसी कर रहे भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने गुरुवार को जेसन एंथोनी हो शुई को सीधे गेम मे हराकर डेनमार्क ओपन के [टर फाइनल में जगह बनाई। पांचवें वरीय भारतीय खिलाड़ी ने पुरुष एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में कनाडा के अपने प्रतिद्वंद्वी को सिर्फ 33 मिनट में 21-15 21-14 से हराया।

दिग्गज कमेंटेटर और खेल पत्रकार किशोर भिमानी का निधन

दुबई एजेंसी। दिग्गज खेल पत्रकार एवं जाने-माने कमेंटेटर किशोर भिमानी का गुरुवार को कोरोना के कारण निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। भिमानी के परिवार में पत्नी रीता और पुत्र गौतम हैं। भिमानी पिछले करीब एक माह से कोरोना से जंग लड़ रहे थे। वह यहां के निजी अस्पताल वुडलैंड में कोरोना के इलाज के लिए भर्ती थे। भिमानी एक प्रतिष्ठित पत्रकार के साथ-साथ बेहतरीन कमेंटेटर भी थे। उन्हें वर्ष 2013 में मीडिया और कमेंट्री में विशेष योगदान के लिए लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया था। उन्हें क्रिकेट का इन्साइक्लोपीडिया कहा जाता था।

भिमानी को सबसे ज्यादा याद वर्ष 1986 में भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच तमिलनाडु में चेन्नई के चेपक स्टेडियम में खेले गये टाई टेस्ट में आवाज का जादू बिखेरने के लिए किया जाता है। इस टाई मैच के दौरान आखिरी क्षणों में माइक उनके हाथ में था। सुनील गावस्कर 1987 में जब पाकिस्तान के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट मैच के दौरान टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बने थे तब भिमानी कमेंट्री कर रहे थे। अपने तीन दशक के लंबे पत्रकारिता और क्रिकेट कमेंट्री के जीवन में उन्होंने कई पुरस्कार प्राप्त किये थे। खेल जगत ने भिमानी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान बिशन सिंह बेदी ने ट्वीट किया,किशोर भिमानी को श्रद्धांजलि। वह पुराने जमाने के क्रिकेट लेखक थे जिन्होंने एक खिलाड़ी की तरह क्रिकेट लेखन को लिया। उनकी पत्नी रीता और पुत्र गौतम के प्रति मेरी संवेदनाएं।'' अभिनेता सुदिप्ता चक्रवर्ती और फिल्म निदेशक अरिंदम सिल समेत कई महत्वपूर्ण हस्तियों ने भिमानी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। चक्रवर्ती ने ट्वीट किया,मधुर आवाज, लाजवाब उच्चारण, स्मार्ट और सौम्य व्यक्तित्व, अपनी मुस्कराहट से स्वागत करने वाले किशोर भिमानी, मेरे बचपन के क्रश सदा-सदा के लिए सो गए। ईश्वर आपकी आत्मा को शांति प्रदान करे और रीता दी को इस दुख को सहन करने की शक्ति दे।

प्रशिक्षकों के लिए ऑनलाइन कोचिंग कोर्स चलाएगा हॉकी इंडिया

नई दिल्ली , एजेंसी। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह देश भर के प्रशिक्षकों के लिए ऑनलाइन बेसिक कोचिंग कोर्स संचालित करेगा। यह पहला अवसर है जबकि हॉकी इंडिया ने इच्छुक प्रशिक्षकों को खुले मंच के जरिए आवेदन करने के लिए कहा है। इस ऑनलाइन कोर्स के लिए 60 स्थान ही उपलब्ध हैं। हॉकी की विज्ञप्ति के अनुसार, उम्मीद्वारों का चयन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। इच्छुक उम्मीद्वारों के लिए न्यूनतम योग्यता उनका जिला, स्कूल या विश्वविद्यालय स्तर की हॉकी टीम के साथ कोचिंग का कम से कम तीन साल का अनुभव या फिर राष्ट्रीय या अखिल भारतीय विश्वविद्यालय स्तर पर खेलने का कम से कम तीन साल का अनुभव है। अधिक जानकारी के लिए https://www.hockeyindia.org/ पर विजिट कर सकते हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस बेसिक कोचिंग कोर्स में उत्तीर्ण होने वाले उम्मीद्वार भविष्य में हॉकी इंडिया के लेवल एक कोचिंग कोर्स में हिस्सा लेने की अर्हता हासिल कर लेंगे। इस कोर्स का कोई शुल्क नहीं होगा लेकिन हॉकी इंडिया लेवल एक कोचिंग कोर्स करने वाले उम्मीद्वारों को ही आवश्यक प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

जब वीरेंद्र सहवाग बने पीके, भोजपुरी में लिए विराट कोहली के मजे

नई दिल्ली| एजेंसी।

आईपीएल 2020 में अब तक बेहतरीन प्रदर्शन कर रही विराट कोहली की आरसीबी टीम को गुरुवार को तब झटका लगा, जब किंग्स इलेवन पंजाब ने बैंगलोर को 8 विकेट से मात दे दी. हार के बाद कप्तान कोहली के कई फैसलों की आलोचना हुई है. अब वीरेंद्र सहवाग ने भी इसको लेकर विराट कोहली को निशाने पर लिया है.सहवाग ने अपने डेली शो वीरू की बैठक में आमिर खान की मशहूर फिल्म पीके का अवतार लिया है. हांलाकि शो में उन्होंने अपने करैक्टर का नाम पीके रखा है, यानि विराट कोहली. सहवाग ने भोजपुरी अंदाज में कहा, ऐसे टुकुर टुकुर का देखत हो, हम हूं ड्रूय, हम इस धरती का प्राणी नहीं हूं, इस लिए जो कहता हूं, सच ही बोलता हूं, आज हम क्फ्यूजिया गए हैं, हमसे का गलती हो गई है, उ कहते हैं कि हमने टी-20 के बेस्ट बैट्समैन को खेलने ही नहीं दिया. एक तो पंजाब के बैंगलोरी लौंडे हमारा बैंड बजा के चले गए, ऊपर से ये इल्जाम, का करें हम, लुल हो गई है हमारी जिंदगी, लुल.वीरू ने आगे कहा, बैंगलोर की टीम अकसर आईपीएल में सबको सरप्राइज देती रहती है, कल इसी सीजन में दूसरी बार पंजाब से हारकर एक बार फिर सरप्राइज दिया. खैर मैं तो खुश हुआ, बैंगलोर के हैं तो क्या हुआ साझे पंजाबी मुंडे एक बार फिर जीते. टॉस जीतकर चीकू ने ली बैटिंग. पडिक्कल और फिंच के आउट होने पर सबको इंतजार था एबी डिविलियर्स का, लेकिन आ गए सुंदर, अति सुंदर मूव. भक्तों को लगा अब देखेंगे एबीडी के जलवे, लेकिन आ गए दुबे. मुझे ऐसा लगा कि एबीडी सिर्फ ड्रेसिंग रूम की एसी की हवा खाने आए थे.सहवाग ने पंजाब के बल्लेबाजों की तारीफ करते हुए कहा, सीरियस मैन मयंक ने लिया प्रोजेक्ट हाथ में और सूखे बॉडीगार्ड (चहल) का अपने पहले ओवर में सूत दिया. एक तरफ कड़क लौंडा (केएल राहुल) दूसरा छोर संभाले हुआ था. फिर आए टी-20 के ताऊ (क्रिस गेल), ताऊ ने ऐलान किया मैं कहीं न जाउं और सबकी बैंड बजाउं, हो गया बेड़ा गर्क चीकू सेना का. भला हो पूरन का जिसने सूखे बॉडीगार्ड को चूरन देकर मैच को किया खत्म.

सार समाचार .....

यूनिवर्स बॉस बल्लेबाजी कर रहा था : गेल

आईपीएल-13 के पहले हाफ में बेंच पर बैठने के बाद गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ वापसी करने वाले क्रिस गेल ने शानदार अर्धशतक जमा अपनी टीम को जीत दिलाई। गेल ने 53 रनों की पारी खेली। उन्होंने 45 गेंदों का सामना कर एक चौका और पांच शानदार छक्के मारे। मैच के बाद उनसे पूछा गया कि क्या वो नवर्स थे तो उन्होंने अपने अंदाज में जवाब दिया। ईएसपीएनक्रिकइंफो ने गेल के हवाले से लिखा, मैं नवर्स नहीं था, कम ऑन यूनिवर्स बॉस बल्लेबाजी कर रहा था, मैं नर्वस कैसे हो सकता हूं। पिच काफी धीमी पिच थी, लेकिन इस पर दूसरी बल्लेबाजी करना अच्छा था। गेल सलामी बल्लेबाज हैं लेकिन पंजाब ने इस मैच में उन्हें तीसरे नंबर पर भेजा। इस पर गेल ने कहा, टीम ने मुझसे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने को कहा। मेरे लिए यह मुद्दा नहीं है। हमारी सलामी जोड़ी पूरे टर्नामेंट में लगातार अच्छी बल्लेबाजी कर रही है और हम उससे छेड़छाड़ नहीं करना चाहते थे। मुझे काम दिया गया था और मैंने उसे लिया। पंजाब की यह इस सीजन की दूसरी जीत है और दोनों जीतें उसें बेंगलोर के खिलाफ ही मिली हैं।

मजबूत मुंबई के खिलाफ वापसी करने उतरेगा कोलकाता

दुबई , एजेंसी। कोलकाता नाईट राइडर्स की टीम मजबूत मुंबई इंडियंस के खिलाफ शुक्रवार को होने वाले आईपीएल मुकाबले में वापसी करने के इरादे से उतरेगी जबकि मुंबई का लक्ष्य प्लेऑफ के लिए अपनी स्थिति मजबूत करना होगा।मुंबई अंक तालिका में सात मैचों में पांच जीत और 10 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। कोलकाता सात मैचों में चार जीत और आठ अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली मुंबई का इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन लगातार शानदार चल रहा है और उसने अपने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को अबु धाबी में ही पांच विकेट से हराया था।दूसरी तरफ कोलकाता को अपने पिछले मुकाबले में शारजाह में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों 82 रन की बड़ी पराजय का सामना करना पड़ा था। कोलकाता को अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में सुधार करने की जरूरत है तभी जाकर वह मुंबई जैसी मजबूत टीम के खिलाफ वापसी करने की उम्मीद कर पाएगी।दोनों का इस आईपीएल में गत 23 सितम्बर को अबु धाबी में ही मुकाबला हुआ था जहां मुंबई ने 49 रन से जीत दर्ज की थी। उस मुकाबले में मुंबई ने अपने कप्तान और सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की 80 रन की शानदार पारी से जीत हासिल की थी। मुंबई ने पांच विकेट पर 195 रन का मजबूत स्कोर बनाने के बाद कोलकाता को नौ विकेट पर 146 रन पर थाम लिया था। कोलकाता ने इस तरह टूर्नामेंट की शुरुआत हार के साथ की थी। रोहित इस मैदान पर कोलकाता के खिलाफ एक बार फिर बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

पाकिस्तान के घरेलू क्रिकेटर से फिक्सिंग के लिए संपर्क किया गया

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान में चल रहे नेशनल टी-20 कप में खेल रहे एक घरेलू क्रिकेटर से फिक्सिंग के लिए संपर्क साधा गया है और इस क्रिकेटर ने यह जानकारी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को दे दी है। इस घरेलू क्रिकेटर ने पीसीबी की भ्रष्टाचार रोधी इकाई को इसकी जानकारी दे दी है। पीसीबी ने अपनी जांच के बाद आगे की जांच के लिए यह मामला संघीय जांच एजेंसी को सौंप दिया है। समझा जाता है कि फिक्सिंग के लिए संपर्क किये जाने वाला खिलाड़ी पाकिस्तान के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं खेला है। पीसीबी ने एक बयान में बताया कि एक संदिग्ध सट्टेबाज ने टूर्नामेंट के दौरान रावलपिंडी में इस क्रिकेटर से फिक्सिंग के लिए संपर्क साधा था। पीसीबी ने बयान में खिलाड़ी का नाम नहीं बताया है। पीसीबी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इस मामले में और जानकारी साझा नहीं की है।

आईपीएल-13 : कोलकाता के सामने मुंबई की चुनौती

दुबई | एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें संस्करण में आज मौजूदा विजेता मुंबई इंडियंस का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। लीग के पहले हाफ में जब ये दोनों टीमें भिड़ी थीं तो मुंबई ने जीत हासिल की थी। मुंबई का फॉर्म भी शानदार है और इसलिए उसका पलड़ा कोलकाता पर भारी लग रहा है। इसका एक कारण और है, मुंबई की फॉर्म और उसकी टीम में मौजूदा संतुलन। वहीं, कोलकाता अभी तक सही संयोजन नहीं खोज पाई है, खासकर उसकी बल्लेबाजी में कई पेंच हैं। सलामी जोड़ी उसे अब तक मजबूत नहीं मिली। सुनील नरेन और शुभमन गिल के साथ लीग के शुरूआती मैचों में जाने वाली कोलकाता ने बाद में राहुल त्रिपाठी और गिल को आजमाया। यह जोड़ी काफी हद तक सफल भी रही लेकिन पिछले मैच में टॉम बेंटन को मौका मिला था लेकिन वो असफल रहे थे। बेंटन जिस तरह के बल्लेबाज हैं उससे उन्हें एक मैच की असफलता पर परखना गलत होगा। वह टी-20 में अपना लोहा मनावा चुके हैं बस कमी है, तो कोलकाता की जर्सी में उनके बल्ले के बरसने की, काबिलियत उनमें भरपूर है। गिल ही एक ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्हें कोलकाता की टीम में इन फॉर्म बल्लेबाज कहा जा सकता है, बाकी कोई कुछ खास नहीं कर पाया है। कप्तान दिनेश कार्तिक ने एक मैच में अर्धशतक लगाया था लेकिन फिर वो पटरी पर से उतर गए हैं, कब लौटेंगे खुद कार्तिक भी शायद इस बात का जवाब नहीं दे सकें। कोलकाता के लिए सबसे बड़ी निराशा उसकी सबसे बड़ी उम्मीद का विफल रहना रही है और वो उम्मीद हैं आंद्रे रसेल। एक भी मैच में रसेल अपना तूफानी रूप नहीं दिखा पाए हैं। काफी देर हो जाए इससे पहले जरूरी है कि रसेल जल्दी फॉर्म में लौटें। गेंदबाजी कोलकाता के लिए ज्यादा बड़ी समस्या नहीं है। कमलेश नागरकोटी, प्रसिद्ध कृष्णा और शिव मावी ने अनुभवी पैट कमिंस और रसेल के साथ मिलकर अच्छा किया है। यह गेंदबाजी आक्रमण मुंबई के इन फॉर्म बल्लेबाजी आक्रमण को रोक पाता है या नहीं यह मैच में देखने को मिलेगा। मुंबई का हर बल्लेबाज फॉर्म में है, कप्तान रोहित शर्मा और चिंटन डी कॉक की सलामी जोड़ी ने मिलकर भले ही कोई बड़ी साझेदारी न की हो लेकिन इन दोनों में से एक न एक रन कर देता है। अब आते हैं सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, जो मध्य क्रम को अपने कंधों पर संभाले हुए हैं। अंत में कीरन पोलार्ड, हार्दिक पांड्या और क्रूणाल पांड्या तेजी से रन करने में सफल रहे हैं। गेंदबाजी में भी जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट की जोड़ी कोलकाता के बल्लेबाजों के लिए खतरनाक रहेगी। पोलार्ड, राहुल चहर और क्रूणाल भी गेंद से अच्छा कर रहे हैं।

टीमें (संभावित) =

कोलकाता नाइट राइडर्स = दिनेश कार्तिक (कप्तान), आंद्रे रसेल, सुनील नरेन, कुलदीप यादव, शुभमन गिल, लॉकी फर्ग्यूसन, नीतीश राणा, रिंकू सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, संदीप वॉरियर, अली खान, कमलेश नागरकोटी, शिवम मावी, सिद्देश लाड, पैट कमिंस, इयोन मोर्गन, टॉम बेंटन, राहुल त्रिपाठी, वरुण चक्रवर्ती, एम. सिद्धार्थ, निखिल नाइक, क्रिस लिन।

मुंबई इंडियंस = चिंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रोहित शर्मा (कप्तान), अनमोलप्रीत सिंह, अनुकूल रॉय, क्रिस लिन, धवल कुलकर्णी, दिग्विजय देशमुख, हार्दिक पांड्या, ईशान किशन, जेम्स पैटिनसन, जसप्रीत बुमराह, जयंत यादव, कीरन पोलार्ड, क्रूणाल पांड्या, मिशेल मैक्लेंघन, मोहसिन खान, नाथन कल्टर नाइल, प्रिंस बलवंत राय, आदित्य तारे (विकेटकीपर), राहुल चहर, सौरभ तिवारी, शेरफाने रदरफोर्ड, सूर्यकुमार यादव, ट्रेंट बोल्ट।

किंग्स इलेवन पंजाब ने रॉयल चैलेंजर्स बंगलूर को आठ विकेट से हराया, क्रिस गेल का चला बल्ला

नई दिल्ली एजेंसी। आईपीएल-2020 के 31वें मैच में गुरुवार को किंग्स इलेवन पंजाब ने रॉयल चैलेंजर्स बंगलूर को आठ विकेट से हरा दिया। टॉस जीतकर आरसीबी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब के सामने 172 रन का लक्ष्य रखा है। जवाब में पंजाब ने 20 ओवर में ही लक्ष्य हासिल किया। पंजाब के लिए लोकेश राहुल ने 49 गेंदों में पांच छक्कों और एक चौके की मदद से 61 रन बनाए, जबकि क्रिस गेल ने 45 गेंदों में पांच छक्कों और एक चौके की मदद से 53 रन की मैच जिताऊ पारी खेलियां। इनके अलावा मयंक अग्रवाल ने 25 गेंदों में 45 रन की पारी खेली।

वहीं, बंगलूर के लिए युजवेंद्र चहल ने एक विकेट ली। इससे पहले आरसीबी ने कप्तान विराट कोहली के शानदार 48 रन की पारी के दम पर 20 ओवर में छह विकेट खोकर 171 रन बनाए। पंजाब के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन दिखाया। मोहम्मद शमी और मुरुगन अश्विन ने दो-दो विकेट चटकाए। जॉर्डन और अर्शदीप ने एक-एक विकेट लिए। आरसीबी की ओर से सबसे अधिक रन कप्तान विराट कोहली ने बनाए। कोहली ने 48 रन की पारी खेली। कोहली को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज बड़ी खेलने में कामयाब नहीं हो पाए। फिंच ने 20 व पडिक्कल ने 18 रन बना पाए।

हम दबाव में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सके बोले विराट कोहली

नई दिल्ली एजेंसी। किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ मिली हार के बाद रॉयल चेलेंजर्स बंगलूरू के कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि उनकी टीम दबाव में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सकी। बंगलूरू ने पंजाब को 172 रन का लक्ष्य दिया था। पंजाब ने कप्तान लोकेश राहुल के 49 गेंदों में एक चौका और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 61 और क्रिस गेल के 53 रन की पारी की बदौलत दो विकेट पर 177 रन बनाकर मैच जीत लिया। बंगलूरू की ओर से विराट ने सर्वाधिक 48 रन बनाए। विराट ने कहा कि यह हार थोड़ी आश्यर्यचकित करने वाली है। हम दबाव में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सके, लेकिन अंत में पंजाब ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। एबी डीविलियर्स को नंबर छह पर उतराने के फैसले पर हमने चर्चा की थी और ऐसा बाएं हाथ, दाएं हाथ के संयोजन के कारण किया गया। कई बार कुछ फैसले आपके अनुमान के विपरीत हो जाते हैं, लेकिन मेरे ख्याल से 170 सही स्कोर था। उन्होंने कहा कि हमारी योजना शुरुआत से बड़े शॉट खेलने की थी, लेकिन हम उन पर दबाव नहीं डाल पाए। हमें अपने गेंदबाजी विभाग पर गर्व था, लेकिन इस मैच में यह विभाग असफल रहा, लेकिन इस मैच में कुछ सकारात्मक बात भी हुई।

कुछ कुछ होता में छोटी अंजलि कैसे करती थीं बड़े इमोशनल सीन

करण जौहर की फिल्म कुछ कुछ होता है 22 साल पूरे हो गए हैं। यह फिल्म उनका डायरेक्टोरियल डेब्यू था। इस मौके पर फिल्म के 20 साल होने पर अंजलि यानी सना सईद ने जो बातें कहीं थीं, यहां है उसका कुछ अंश। शाहरुख खान उस वक्त भी थे फेवरिट सना सईद ने इस फिल्म में शाहरुख खान की बेटी अंजलि का रोल निभाया था। फिल्म का हिस्सा होने के अनुभव के बारे में वह बताती हैं कि उस वक्त वह बहुत छोटी थीं और उन्हें अहसास नहीं था कि कितने बड़े सिलेब्स के साथ काम कर रही हैं। अब इतने साल बाद उन्हें इस बात का अहसास होता है। उन्होंने बताया कि शाहरुख खान उस वक्त भी उनके फेवरिट थे और उनकी मौजूदगी से कुछ कुछ होता था। करण जौहर ऐसे करवाते थे इमोशनल सीन फिल्म में उनके जो इमोशंस दिखाई दिए उसके लिए वह करण जौहर को क्रेडिट देती हैं। सना ने बताया कि उनके सीन से पहले करण जौहर उनके साथ बैठते थे। उसको अच्छे से समझाते थे। वह वो सिचुएशन क्रिएट करने की कोशिश करते थे जिसमें वह वो खास इमोशन फील कर सकें। इसके बाद जाकर सीन शूट होता था। सना ने बताया था कि फिल्म के बाद उन्हें बहुत अटेंशन मिला था। 22 साल पूरे होने का सेलिब्रेशन मना रही है कास्ट कुछ कुछ होता है में शाहरुख खान, रानी मुखर्जी और काजोल लीड रोल्स में थे। फिल्म में सलमान खान भी स्पेशल रोल में थे। फिल्म की रिलीज को 22 साल हो चुके हैं। मूवी आज भी कई लोगों की फेवरिट फिल्म है।

राजपाल यादव ने 3 महीने जेल में रहने पर तोड़ी चुप्पी, 2018 में इस वजह से काटी थी सजा

राजपाल यादव 2018 में 3 महीने के लिए जेल जा चुके हैं। उन्हें यह सजा 5 करोड़ रुपये का डिफॉल्टर होने पर मिली थी। उन्होंने लाइफ के इस फेज के बारे में बात की और कहा कि वह बीते हुए कल का बोझ लेकर नहीं चलते। राजपाल को है अपने काम पर भरोसा टाइम्स नाऊ को दिए एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा कि बीते सालों में उन्होंने कभी अपने बचाव में कुछ नहीं कहा। ना ही वह नकारात्मक सोचते हैं। हालांकि उन्हें नहीं पता कि नेगेटिव कौन है और पॉजिटिव कौन बस वह अपने काम के बारे में जानते हैं। क्योंकि उन्हें भरोसा है कि जहां काम है वहीं कर्मा है। उन्होंने बताया कि वह बीते हुए कल का बोझ लेकर नहीं चलते। दर्शकों के प्यार से खुश हैं राजपाल उन्होंने कहा कि लोगों को वही करना चाहिए जो वे करना चाहते हैं और अगर उनका काम पसंद किया जाएगा तो वे आगे बढ़ेंगे। राजपाल ने बताया कि उन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है, जो उन्हें बहुत खुश रखता है।

इन फिल्मों में बिजी हैं राजपाल यादव वर्क फ्रंट पर बात करें तो राजपाल इस वक्त हंगामा 2 की शूटिंग कर रहे हैं और बोले चूड़ियां और भूल भुलैया 2 में भी दिखाई देंगे। वह वरुण धवन और सारा अली खान की अपकमिंग फिल्म में भी हैं। हाल ही में उन्होंने राम गोपाल वर्मा की ड्रैगन गर्ल और फरहान अख्तर की हेलो चार्ली पूरी की है।

दीपिका पादुकोण एनसीबी की पूछताछ के बाद फिल्म की शूटिंग के लिए वापस लौटी गोवा

पादुकोण ड्रग्स मामले में एनसीबी से सम्मन मिलने करने के बाद गोवा से मुंबई चली गई थींद्य अब वह एक बार फिर शकुन बत्रा की फिल्म की शूटिंग करने के लिए गोवा वापिस लौट गई हैंद्य पिछले कुछ दिनों से दीपिका पादुकोण सभी गलत वजहों से खबरों में बनी रही है। ड्रग्स के मामले में पूछताछ के लिए उन्हें नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने बुलाया था।एनसीबी बॉलीवुड और ड्रग्स की सांठगांठ का भंडाफोड़ करती दिख रही है। दीपिका के अलावा सारा अली खान और श्रद्धा कपूर को भी तलब किया गया था। दीपिका पादुकोण एनसीबी से फोन आने पर गोवा में थीं और उन्हें जांच के लिए वापिस आना पड़ा। उनके पति रणवीर सिंह के साथ दोनों मुंबई लौट आए। अब हालिया रिपोर्टों के अनुसार दीपिका गोवा में वापस आ गई है और शूटिंग फिर से शुरू कर दी है। मिड-डे की एक रिपोर्ट के अनुसार दीपिका शकुन बत्रा की फिल्म के सेट पर वापस आ गई हैंद्य इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और अनन्या पांडे भी हैं। एक सूत्र ने इस बारे में बताते हुए खुलासा किया, दीपिका अच्छे मूड में थीद्य वह पिछले गुरुवार को यूनिट में शामिल हुई थी। चूंकि 10 दिन से ज्यादा का ब्रेक थाद्य इसलिए शकुन चाहते थे कि वह इस प्रक्रिया में आसानी घुल-मिल जाए। दीपिका ने सिद्धांत और अनन्या के साथ एक हल्के-फुल्के सीन की शूटिंग की। यह फिल्म चार दोस्तों के बारे में है जो एक रोड ट्रिप पर जाते हैं। दीपिका जब मुंबई में थी तो निर्देशक ने सिद्धांत और अनन्या की भूमिका वाले सीन को शूट किया है। फिल्म की शूटिंग सितंबर के महीने में फिर से शुरू हुई। फिल्म का निर्माण करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन द्वारा किया जा रहा है। दीपिका पादुकोण बॉलीवुड अभिनेत्री है और वह कई फिल्मों में अहम भूमिका निभा चुकी हैंद्य उन्होंने फिल्म अभिनेता रणवीर सिंह के साथ शादी की है

कोरोना की चपेट में आए बॉलिवुड सिंगर कुमार सानू

बॉलिवुड के जाने-माने सिंगर कुमार सानू कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। 14 अक्टूबर को उन्हें परिवार से मिलने लॉस ऐंजेलिस जाना था। इस बीच उनको कोरोना हो गया तो प्लान कैंसिल करना पड़ा।

परिवार से मिलने यूएस जाने की थी तैयारी

बॉम्बे टाइम्स से रीसेंट चैट में उन्होंने बताया था कि पूरे लॉकडाउन भर वह लगातार काम करते रहे हैं। 9 महीने से वह अपने परिवार से नहीं मिले। उनको परिवार से मिलने लॉस ऐंजेलिस जाना था। कुमार सानू ने बताया था, मैं अपनी पत्नी सलोनी, बेटी शैनन और ऐनाबेल से मिलने के लिए बेकरार हूं। फाइनली 20 अक्टूबर को उनके साथ अपना बर्थडे मनाऊंगा। कुमार सानू ने यह भी कहा था कि दिसंबर में वाइफ का बर्थडे मनाकर मुंबई लौटेंगे।

नहीं आ पाए तो परिवार आ जाएगा मुंबई

हालांकि कोरोना की वजह से उन्हें प्लान कैंसिल करने पड़े। सोर्सेज के मुताबिक, बीएमसी ने वो फ्लोर सील कर दिया है जिसमें कुमार सानू रहते हैं। लॉस ऐंजेलिस से उनकी पत्नी सलोनी ने बताया, अगर उन्हें ठीक लगा तो 8 नवंबर तक वह यूएस आएंगे। फिलहाल वह क्वॉरंटीन हैं। वह हम लोगों से मिलने के लिए बीते 9 महीने से तड़प रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर वह नहीं आ पाएंगे तो आने वाले सारे त्योहार सेलिब्रेट करने पूरा परिवार उनके पास मुंबई आ जाएगा।

रुबीना दिलैक का खुलासा

'डायरेक्टर ने मेरे साथ की थी ऐसी हरकत, इसलिए कभी नहीं रखा बॉलीवुड में कदम'

फेमस टीवी एक्ट्रेस रुबीना दिलैक इन दिनों 'बिग बॉस 14' में नज़र आ रही हैं। रुबीना छोटे पर्दे का एक बड़ा चेहरा हैं। टीवी सीरियल 'छोटी बहू' से इंडस्ट्री में कदम रखने वाली रुबीना करीब 12 सालों से यहां काम कर रही हैं, लेकिन कभी उन्होंने बॉलीवुड में आने का नहीं सोचा। ऐसा क्यों इस बारे में खुद रुबीना ने बताया है। एक्ट्रेस का कहना है कि वो एक बार एक फेमस डायरेक्टर से मिली थीं जिन्होंने उनके साथ ऐसा व्यवहार किया कि रुबीना की बॉलीवुड में कदम रखने की हिम्मत नहीं हुई। बिग बॉस में आने से पहले रुबीना ने सिद्धार्थ कनन के साथ हुए इंटरव्यू में बताया, '6 साल पहले तक मैं सच में बॉलीवुड में काम करना चाहती थी। मैं इस वजह से कई मीटिंग्स में भी गई, कई लोगों से मिली, लेकिन मेरा एक्सपीरियंस अच्छा नहीं रहा। वहां टीवी इंडस्ट्री वालों को नीची नज़र से देखा जाता है, पूछा जाता है, 'टीवी एक्टर है? अच्छा कौन सा शो किया है? हमने तो देखा नहीं, आप कौन सी कार चला रही हैं? ऐसे सवाल किए जाते हैं। आपको इन चीज़ों के हिसाब से जज किया जाता है। स्क्रीन टेस्ट वगैरा तो वो आखिरी चीज़ है जो महत्व रखती है'। डायरेक्टर और प्रोड्यूसर का नाम न शेयर करते हुए रुबीना ने बताया, 'वो फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं। मैं एक बार उनके पास गई तो उन्होंने मुझसे एक फिल्म के बारे में पूछा जो उनकी थी। उन्होंने पूछा कि क्या मैंने वो फिल्म देखी है? मैंने कहा 'नहीं'। तो डायरेक्टर ने मुझसे कहा सच में? तुम ये नहीं जानतीं कि मैंने क्या काम किया है? मेरा दिल चाह रहा है कि मैं तुम्हारे चेहरे पर फार्ट (पाद) करूं। रुबीनेा ने कहा, उस वक्त मुझे महसूस हुआ, क्या मैंने ठीक सुना है? और वो हंसने लगा। उन्होंने मुझसे कहा, 'तुम्हें पता है मैंने क्या किया है? तुम जानती हो मैं कौन हूं? तुम्हें पता है तुम्हें कौन चांस देने वाला है? डायरेक्टर की इन बातों से मुझे ये एहसास हो गया कि मैं यहां से भागना चाहती हूं। मैं ऐसे लोगों के साथ काम नहीं कर सकती, मैं ऐसी नहीं हूं'।

सुहाना खान ने शेयर की अपनी फोटो, लिखा- घूरते-घूरते नफरत हो जाए इससे पहले...

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान सोशल मीडिया पर काफी पॉप्युलर हैं। फैंस उनके डेब्यू का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वह अपने इंस्टाग्राम पर खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं। उनके कैप्शंस भी काफी मजेदार होते हैं। रीसेंटली उन्होंने एक खूबसूरत तस्वीर पोस्ट की है जिसकी काफी तारीफ हो रही है। स्टाइलिश दिख रही हैं सुहाना सुहाना ने तस्वीर पोस्ट की है और इसके साथ कैप्शन लिखा है, इसे पोस्ट कर रही हूं ताकि इसे घूरते-घूरते कहीं मुझे नफरत ना हो जाए।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।